आचार्य (स्नातकोत्तर) परीक्षा
परीक्षा सम्बन्धी सामान्य नियम

नियम संख्या – 1

किसी विषय में आचार्य (स्नातकोत्तर) प्रथम वर्ष तथा आचार्य (स्नातकोत्तर) द्वितीय वर्ष परीक्षाओं में से प्रत्येक में अभ्यर्थी को उत्तीर्ण होने के लिए परीक्षा के लिए निर्धारित समस्त पत्रों के कुल अंकों के न्यूनतम 36 प्रतिशत अंक लाने पड़ेंगे। यह भी अनुबन्ध है कि यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षाओं के किसी में प्रत्येक प्रश्न–पत्र में पृथक्–पृथक् 25 अंक प्राप्त करने में असफल रहता है तो उसे परीक्षा में असफल हुआ माना जाएगा। भले ही उसने उस परीक्षा के समग्र योग में अंकों का अपेक्षित न्यूनतम प्रतिशत प्राप्त कर लिया हो। प्रथम वर्ष परीक्षा के परिणाम पर कोई श्रेणी नहीं दी जायेगी। श्रेणी प्रथम वर्ष तथा द्वितीय वर्ष परीक्षाओं के सम्मिलित प्राप्तांकों के आधार पर निम्नांकित प्रकार से दी जाएगी –

आचार्य (स्नात्कोत्तर) प्रथम वर्ष तथा	60% पर प्रथम श्रेणी, 48% पर द्वितीय श्रेणी,
योग के द्वितीय वर्ष के दोनों पूर्णांक के समग्रशेष	परीक्षा में उत्तीर्ण घोषित किए जाएँगे।

प्रत्येक अभ्यर्थी को आचार्य (स्नातकोत्तर) उपाधि के लिए 9 पत्र लेने होंगे, प्रत्येक पत्र 100 पूर्णांक का तथा समय 3 घण्टे की अवधि का होगा। इन नों पत्रों में तीन पत्र समस्त विषयों के लिए अनिवार्य रहेंगे। अवशिष्ट छः पत्र विशिष्ट विषय के होंगे। अभ्यर्थी को प्रथम वर्ष परीक्षा में दो अनिवार्य पत्र तथा विशिष्ट विषय के दो पत्र तथा द्वितीय वर्ष परीक्षा में एक अनिवार्य पत्र तथा विशिष्ट विषयों के चार पत्र लेने होंगे।

केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को जिन्होंने आचार्य (स्नातकोत्तर) प्रथम वर्ष में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और यदि परीक्षा– योजना में निर्धारित हो, तो पत्र विशेष के स्थान पर अधिनिबन्ध/क्षेत्रीय कार्य/सर्वेक्षण प्रतिवेदन/शोध प्रबन्ध लेने की अनुमति दी जाएगी।

नियम संख्या –2

कोई भी अभ्यर्थी जिसने की विधि द्वारा स्थापित भारत के किसी भी विश्वविद्यालय की शास्त्री (स्नातक) परीक्षा बी. ए. (संस्कृत मुख्य विषय सहित) परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो तथा आचार्य प्रथम खण्ड परीक्षा हेतु उस शैक्षणिक सत्र में किसी सम्बद्धता प्राप्त संस्था में नियमित अध्ययन किया हो, आचार्य (स्नातकोत्तर) प्रथम खण्ड परीक्षा में सम्मिलित हो सकेगा।

निम्नलिखित परीक्षाओं को शास्त्री परीक्षा के समकक्ष मान्यता दी जाती है :-

1. गुरुकुल कांगड़ी, विश्वविद्यालय, हरिद्वार की वेदालंकार/विद्यालंकार परीक्षा।
2. कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा की नवीन शास्त्री परीक्षा।
3. मद्रास विश्वविद्यालय, मद्रास की 'शिरोमणि' (सम्पूर्ण) परीक्षा।
4. काशी विद्यापीठ वाराणसी की शास्त्री (संस्कृत वर्ग सहित) परीक्षा।
5. आन्ध्र विश्वविद्यालय, आन्ध्र प्रदेश 'विद्या प्रवीण' (सम्पूर्ण) परीक्षा।
6. आयुर्वेदाचार्य (बी.ए.एम.एस.) परीक्षा, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।

नियम संख्या -3

1. इस विश्वविद्यालय से आचार्य (स्नातकोत्तर) प्रथम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर, इस विश्वविद्यालय अथवा इस से सम्बद्धता प्राप्त किसी महाविद्यालय में एक शैक्षणिक सत्र भर नियमित अध्ययन पूर्ण करने वाला अभ्यर्थी आचार्य द्वितीय वर्ष परीक्ष में सम्मिलित हो सकेगा।
2. आचार्य प्रथम वर्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण घोषित अभ्यर्थी यदि उक्त परीक्षा के 50 प्रतिशत प्रश्न पत्रों में उत्तीर्ण है तो निम्नांकित अनुबन्ध (3) के नियमों के अनुसरण में उसे आचार्य द्वितीय वर्ष की कक्षा में अस्थायी प्रवेश दिया जा सकता है और एक सत्र के नियमित अध्ययन के पश्चात् उसे आचार्य द्वितीय वर्ष परीक्षा में बैठने की अनुज्ञा इस शर्त के साथ दी जा सकेगी कि वह आचार्य द्वितीय वर्ष परीक्षा के लिए निर्धारित पत्रों के साथ आचार्य प्रथम वर्ष के उन पत्रों के पुनः परीक्षा देगा एवं उत्तीर्णांक प्राप्त करेगा, जिनमें वह अनुत्तीर्ण रहा था।
3. (क) समस्त पत्रों के सहयोग में वांछित न्यूनतम उत्तीर्णांक प्राप्त करने वाला अभ्यर्थी उन प्रश्न पत्रों में उत्तीर्ण माना जावेगा जिनमें उसने न्यूनतम 36 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लिये हों।

   (ख) समस्त प्रश्न पत्रों के सहयोग के उत्तीर्ण होने हेतु वांछित न्यूनतम प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाला अभ्यर्थी उन पत्रों में उत्तीर्ण माना जावेगा जिनमें उसने न्यूनतम 25 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लिये हों।

   (ग) प्रश्न पत्रों के 50% की गणना करने में प्रायोगिक भी सम्मिलित किये जावेंगे तथा प्रत्येक प्रायोगिक को एक प्रश्न पत्र माना जावेगा।

   (घ) यदि आचार्य प्रथम वर्ष परीक्षा के प्रश्न पत्रों की संख्या विषम हो तो 50% की गणना हेतु प्रश्न पत्रों की संख्या में एक की वृद्धि कर ली जावेगी।
4. ऊपर वर्णित नियमित प्रावधानों के अन्तर्गत जो अभ्यर्थी आचार्य (स्नातकोत्तर) प्रथम वर्ष परीक्षा के 50 प्रतिशत पत्रों में भी उत्तीर्ण नहीं होता, वह आचार्य द्वितीय वर्ष कक्षा में प्रवेश योग्य नहीं होगा एवं आचार्य द्वितीय वर्ष परीक्षा में

नहीं बैठ सकेगा। उसे निर्धारित पाठ्यक्रमानुार आचार्य प्रथम वर्ष परीक्षा के सम्पूर्ण पत्रों, प्रायोगिकों में पुनः परीक्षा देनी होगी।

5. एक अभ्यर्थी जो आचार्य प्रथम वर्ष परीक्षा में 50 प्रतिशत पत्रों में उत्तीर्ण होकर वह आचार्य द्वितीय वर्ष में प्रवेश योग्य है किन्तु आचार्य द्वितीय वर्ष में प्रवेश न लेकर आचार्य प्रथम वर्ष में अवशिष्ट पत्रों में परीक्षा देना चाहता है या आचार्य प्रथम वर्ष के समस्त पत्रों, प्रायोगिकों में सम्मिलित होना चाहता है, तो उसे वैसी अनुमति दी जा सकेगी, किन्तु आचार्य द्वितीय वर्ष परीक्षा में सम्पूर्ण विषयों में सम्मिलित होने की स्थिति में उसकी पूर्व में उत्तीर्ण की गई परीक्षा निरस्त कर दी जावेगी।

नियम संख्या –4 (पात्रता)

(क) राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर अथवा विधि द्वारा संस्थापित किसी भी विश्वविद्यालय/संस्थान से कोई भी विषय लेकर शास्त्री परीक्षा अथवा विधि द्वारा संस्थापित विश्वविद्यालय/संस्थान से परम्परागत समकक्ष उत्तीर्ण छात्र ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, न्याय, ज्योतिष (गणित), व्याकरण विषयों को छोड़कर किसी भी विषय में आचार्य पूर्वार्द्ध में प्रवेश ले सकता है।

(ख) ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, न्याय, ज्योतिष (गणित), व्याकरण विषयों में प्रवेश हेतु छात्र को सम्बद्ध विषय में शास्त्री परीक्षा अथवा विधि द्वारा संस्थापित किसी भी विश्वविद्यालय/संस्थानों से परम्परागत समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। यदि वह अन्य विषय से शास्त्री परीक्षा उत्तीर्ण है और इन विषयों में प्रवेश लेना चाहता है तो उसे अतिरिक्त विषय लेकर शास्त्री परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक होगा।

(ग) वैकल्पिक संस्कृत विषय से स्नातक/स्नातकोत्तर (संस्कृत) परीक्षा उत्तीर्ण छात्र साहित्य, पुराणेतिहास, धर्मशास्त्र, ज्योतिष (फलित) पाठ्यक्रम में उल्लिखित सभी दर्शन, जैन दर्शन विषय लेकर ही आचार्य पूर्वार्द्ध में प्रवेश ले सकेगा।

टिप्पणी :- जिन सम्बद्ध महाविद्यालयों में जिन विषयों में नियमित छात्र प्रविष्ठ हो रहे हैं, उन महाविद्यालयों में वही विषयों को लेकर स्वयंपाठी छात्र परीक्षा दे सकेंगे। जिन विषयों में प्रायोगिक परीक्षा का प्रावधान है, उनमें स्वयंपाठी छात्र प्रविष्ठ नहीं हो सकेंगे।

नियम संख्या -5

आचार्य (स्नातकोत्तर) उपाधि की परीक्षा निम्नलिखित विशिष्ट विषयों में होगी-

मुख्यविषया:-

वेद-वेदाङ्ग संकाय:

1. ऋग्वेद:	2. शुक्लयजुर्वेद:(माध्यन्दिनशाखीय:)
3. शुक्लयजुर्वेद: (काण्वशाखीय:)	4. कृष्णयजुर्वेद: (तैत्तिरीयशाखीय:)
5. सामवेद: (कौथुमशाखीय:)	6. सामवेद: (जैमिनीयशाखीय:)
7. अथर्ववेद:	8. पौरोहित्यम्
9. वेदनैरुक्तप्रक्रिया	10. वेदविज्ञानम्
11. गणितज्योतिषम्	12. सिद्धान्तज्योतिषम्
13. फलितज्योतिषम्	14. सामुद्रिकज्योतिषम्
15. वास्तुविज्ञानम्	16. धर्मशास्त्रम्
17. नव्यव्याकरणम्	18. प्राच्यव्याकरणम्

साहित्य - संस्कृतिसंकाय:

1. साहित्यम् 2. पुराणेतिहास: 3. प्राचीनराजनीतिशास्त्रम्

दर्शनसंकाय:

1. सामान्यदर्शनम्	2. वेदान्तदर्शनम्
3. मीमांसादर्शनम्	4. न्यायदर्शनम्
5. निम्बार्कदर्शनम्	6. वल्लभदर्शनम्
7. रामानुजदर्शनम्	8. रामानन्ददर्शनम्

श्रमणविद्यासंकाय:

1. जैनदर्शनम्
2. बौद्धदर्शनम्
3. प्राकृत: जैनागम एवं अपभ्रंश:

आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय:

1. पर्यावरण अध्ययनम्

ध्यातव्य: प्रथम पत्र- **वैदिक साहित्य तथा तुलनात्मक भाषा विज्ञान** एवं द्वितीय पत्र- **प्राचीन भारत का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक इतिहास** प्रत्येक विषय के छात्रों के लिए अनिवार्य पत्रों के रूप में होंगे।

नियम संख्या –6

ऐसी अभ्यर्थी जिसने विश्वविद्यालय की आचार्य (स्नातकोत्तर) परीक्षा किसी विषय में उत्तीर्ण की हो, किसी अन्य विषय में जिसमें उसने पूर्व में आचार्य परीक्षा उत्तीर्ण न की हो, आचार्य परीक्षा में सम्मिलित होने के योग्य होगा एवं उत्तीर्ण होने पर उपाधि प्रदान की जावेगी परन्तु यदि ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, न्याय, ज्योतिष (गणित), व्याकरण विषय से आचार्य परीक्षा देना चाहता है तो से सम्बद्ध विषय में अतिरिक्त विषय लेकर शास्त्री परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक होगा।

नियम संख्या –7

1. आचार्य (स्नातकोत्तर) द्वितीय वर्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण छात्र यदि उक्त परीक्षा के 50% पत्रों में उत्तीर्ण है तो नीचे अनुबन्ध (2) में उल्लिखित प्रावधानों के अन्तर्गत उसे आगामी वर्ष में उन्हीं प्रश्नपत्रों में जिनमें वह उत्तीर्ण घोषित हो चुका है, पुनः परीक्षा देने से मुक्ति दी जायेगी।

2. (क) यदि अभ्यर्थी परीक्षा के समस्त प्रश्न पत्रों के अंको की सहयोग के वांछित न्यूनतम उत्तीर्णांक प्राप्त करने में असफल रहा है तो उसे उस प्रत्येक पत्र में उत्तीर्ण समच जावेगा, जिसमें उसने न्यूनतम 36% अंक प्राप्त किये हो।

   (ख) यदि छात्र ने कुल पत्रों के अंकों के सहयोग के वांछित न्यूनतम उत्तीर्णांक प्राप्त कर लिए है, उसे प्रत्येक उस प्रश्न पत्र में उत्तीर्ण माना जावेगा, जिसमें उसने न्यूनतम 25% अंक प्राप्त किये है।

   (ग) प्रश्न पत्रों के 50% की गणना करने हेतु प्रायोगिक को भी सम्मिलित माना जावेगा एवं एक प्रायोगिक की गणना हेतु एक पत्र माना जावेगा।

   (घ) यदि द्वितीय वर्ष परीक्षा के पत्रों की संख्या विषम है तो संख्या में एक जोड़ कर 50 प्रतिशत की गणना कर ली जावेगी।

3. ऐसा अभ्यर्थी जो उपर्युक्त वर्णित प्रावधानों के अन्तर्गत आचार्य द्वितीय वर्ष परीक्षा के 50 प्रतिशत पत्रों को भी उत्तीर्ण नहीं करता हैं, उसे आगामी वर्ष की परीक्षा में समस्त पत्रों, प्रायोगिकों की परीक्षा देनी होगी।

नियम संख्या –8

यदि कोई अभ्यर्थी पूवार्द्ध और उत्तरार्द्ध परीक्षा का कोई पत्र (पत्रों) प्रायोगिक (प्रायोगिकों), अधिनिबन्ध/मौखिक परीक्षा निरन्तर तीन वर्षों के प्रवास के पश्चात् उत्तीर्ण करता है तो श्रेणी निर्धारण हेतु उसके प्राप्तांक केवल उस पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक अर्थात्

25 प्रतिशत (प्रायोगिक के लिए 36 प्रतिशत) माने जावेंगे बशर्ते कि अभ्यर्थी को समस्त पत्रों के सहयोग के न्यूनतम उत्तीर्णांक की प्राप्ति के लिए 25 प्रतिशत से अधिक अंकों की आवश्यकता है तो उसके द्वारा वास्तव में प्राप्त अंकों में से इतने अंक लेकर जोड़ दिये जावेंगे जितने की न्यूनतम प्राप्त उत्तीर्णांकों के मिलाने पर वह उत्तीर्ण हो सके।

टिप्पणी :-

1. किसी आगामी वर्ष में परीक्षा में पुनः प्रविष्ट होने वाले अभ्यर्थी को उस वर्ष के लिए लागू पाठ्यक्रम एवं योजना के अनुसार परीक्षा देनी होगी। इस हेतु आवश्यक होने पर उसे कोई भी एक या अधिक पत्र परिवर्तित करना होगा।
2. अभ्यर्थी जिस वर्ष में अपने अन्तिम पत्र (पत्रों) को उत्तीर्ण करेंगे, उसी वर्ष की उपाधि प्राप्त करने के अधिकारी होंगे।

नियम संख्या -9

यदि किसी अभ्यर्थी को उसकी आचार्य (स्नातकोत्तर) उपाधि से भिन्न अन्य संकाय विषय में पी-एच.डी. उपाधि हेतु शोध प्रबन्ध करने की अनुमति दी गई है तो उसे नवीन संकाय/विषय में अतिरिक्त पत्र लेने की अनुज्ञा प्रदान की जावेगी।

प्रश्न-पत्र निर्माण हेतु अङ्क विभाजन

आचार्य स्तर पर

	विधा	प्रश्नों की विकल्प संख्या	प्रश्न	अङ्क	कुल अङ्क
(क)	अतिलघूत्तरात्मक	20	10	02	20
(ख)	लघूत्तरात्मक/व्याख्यात्मक	08	04	05	20
(ग)	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	08	04	10	40
(घ)	निबन्धात्मक	02	01	20	20
	कुल योग		**19**		**100**

ध्यातव्यः

(क) उक्त स्तर पर क, ख, ग विधा से प्रश्न निर्धारित समस्त पुस्तकों से आनुपातिक अङ्कों में पूछा जावे।

(ख) जहाँ तक सम्भव हो, अधिकतम अङ्क के लिए निर्धारित पुस्तक से (घ) निबन्धात्मक प्रश्न पूछा जावे। यदि समानांक वाली पुस्तकें हों तो शास्त्रीय दृष्टि से महत्त्वपूर्ण पुस्तक से ही (घ) निबन्धात्मक प्रश्न पूछा जावे।

आचार्य-प्रथमवर्षम्

अनिवार्यपत्रम्

प्रथमप्रश्नपत्रम्– **पूर्णाङ्कः 100**

वैदिकसाहित्यं तुलनात्मकभाषाविज्ञानं च

(क.) वेदः (ऋग्वेदः) **40**

अग्निसूक्तम् (1.1), अग्निमारुतसूक्तम् (1.19), सूर्यसूक्तम् (1.115), रुद्रसूक्तम् (2.33), मित्रसूक्तम् (3.59), उषस् सूक्तम् (3.61), पर्जन्यसूक्तम् (5.83), मण्डूकसूक्तम् (7.103), पुरुषसूक्तम् (10.90), वाक्सूक्तम् (10.125), नासदीयसूक्तम् (10.129)

(ख.) निरुक्त (प्रथमाध्यायमात्रम्) 20

(ग.) भाषाविज्ञान (सामान्यपरिचयः, क्षेत्रम्, ध्वनिसम्बन्धिनियमाः, भाषावर्गीकरणम्, भारतीय-यूरोपीयभाषापरिवारस्य विशिष्टसन्दर्भा अर्थविज्ञानं च) 40

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघूनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

(क) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः

सूक्तसारो देवतापरिचयश्च

मन्त्रव्याख्याद्वयम्

(ख) पञ्चानां शब्दानां निर्वचनं टिप्पणी च

मन्त्रव्याख्या, विषयवस्तुपरकः प्रश्नो वा

(ग) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः

टिप्पणीद्वयात्मकः एकः प्रश्नो वा

विषयवस्तुपरकः प्रश्नः

आचार्य प्रथम वर्षः

वेदवेदाङ्गसंकायः

1. ऋग्वेदः (सप्रायोगिकः)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) **ऋग्वेदसंहितायाः** नवम मण्डलस्य प्रथमसूक्तत: पञ्चाशत्सूक्तपर्यन्तं सायणभाष्यम् 40

(ख) **ऐतरेय ब्राह्मणम्** 30
सायणभाष्यम् द्वितीयपंचिकायाः 6–10 अध्यायाः

(ग) **आश्वलायनश्रौतसूत्रं** सभाष्यम् (1–3 अध्यायाः) 30

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः (मन्त्रार्थः)	04	02	02ह02=04
लघूत्तरात्मकाः (पारिभाषिकशब्दाः)	06	03	03ह02=06
निबन्धात्मकाः (मन्त्रद्वयस्य व्याख्या)	04	02	01ह05=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः (सूक्तस्य सारांशः देवतापरिचयो वा)	02	01	01ह20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (पारिभाषिकशब्दाः)	10	05	05ह02=10
लघूत्तरात्मकाः (कण्डिकाद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह10=20
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (सूत्रार्थः)	06	03	03ह02=06
लघूनिबन्धात्मकाः (सूत्रचतुष्ट्यस्य व्याख्या)	04	02	02ह07=14
निबन्धात्मकाः (प्रतिपाद्यविषयः)	02	01	01ह10=10

तृतीयप्रश्नपत्रम्

(क) **ऋक्प्रातिशाख्यम्** उव्वटभाष्ययुतम् 5–10 पटलानि 40

(ख) **ऐतरेयारण्यकम्** सायणभाष्यम् 60

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः (सूत्रार्थः)	04	02	02ह05=10
लघूत्तरात्मकाः (सूत्रद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह05=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः (प्रतिपाद्यविषयाः)	02	01	01ह20=20

(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः (कण्डिकाद्वयस्यार्थः)	04	02	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मकाः (व्याख्या/विषयविवेचनम्)	04	02	02ह्न10=20
प्रकरणगतप्रश्नाः	10	05	05ह्न06=30

चतुर्थप्रश्नपत्रम्- सप्रायोगिकम् सर्ववेदेषु समानम् **पूर्णाङ्काः 100**

सैद्धान्तिकम्

(क.) निरुक्तम् दुर्गवृत्तिसहितम् (7-9 अध्यायः) 20

(ख.) ऋग्वेदभाष्यभूमिका सायणीया 20

(ग.) बृहद्देवता शौनकीया (1-3 अध्यायाः) 20

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः (मन्त्रार्थः/पदार्थः)	06	03	03ह्न02=06
लघूत्तरात्मकाः (निर्वचनम्)	02	01	01ह्न05=05
निबन्धात्मकाः (पंक्तेर्व्याख्या अथवा मन्त्रव्याख्या)	02	01	01ह्न09=09
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः (विवेचनात्मकप्रश्नाः)	02	01	01ह्न20=20
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (श्लोकद्वयस्यार्थः)	04	02	02ह्न02=04
लघूत्तरात्मकाः (व्याख्या)	02	01	01ह्न06=06
निबन्धात्मकाः (देवताद्वयस्य परिचयः)	04	02	02ह्न05=10

प्रायोगिकम् सर्ववेदेषु समानम् (दर्शपूर्णमासप्रयोगः) **40**

2. शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) शुक्लयजुर्वेदसंहितायाः 11-15 अध्यायानां महीधरभाष्यम् 40

(ख.) शतपथब्राह्मणम् सायणभाष्ययुतम् प्रथमकाण्डस्य 4-6 अध्यायाः 30

(ग.) कात्यायन श्रौतसूत्रम् कर्कभाष्ययुतम 1-4 अध्यायाः 30

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः (मन्त्रार्थः)	16	08	08ह्न01=08
लघूत्तरात्मकाः (पारिभाषिकशब्दाः)	06	03	03ह्न04=12
निबन्धात्मकाः (मन्त्रद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्न10=20

(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः (पारिभाषिकशब्दाः)	12	06	06ह्न01=06
लघूत्तरात्मकाः (कण्डिकाद्वयस्य व्याख्या)	06	03	03ह्न03=09
निबन्धात्मकाः	06	03	03ह्न05=15
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	12	06	06ह्न01=06
लघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्न03=09
निबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	06	03	03ह्न05=15

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **वाजसनेयिप्रातिशाख्यम्** उव्वटभाष्यसहितम् 100

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः (सूत्रार्थः)	20	10	10ह्न02=20
लघूत्तरात्मकाः (सूत्रद्वयस्य व्याख्याः)	06	03	03ह्न10=30
निबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	04	02	02ह्न25=50

चतुर्थप्रश्नपत्रम्- सप्रायोगिकम् (सैद्धान्तिकम्-60, प्रायोगिकम् -40) **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **ऋग्वेदवत्** **100**

3. शुक्ल यजुर्वेदः (काण्वशाखीयः)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) **काण्वसंहितायाः** 31-40 अध्यायानां सस्वराः मन्त्राः 25

(ख.) **काण्वसंहितायाः** सायण भाष्यम् 13-20 अध्याय मात्रम् 25

(ग.) **कात्यायनश्रौतसूत्रम्** 1-4 अध्यायाः 25

(घ.) **काण्वशतपथब्राह्मणम्** द्वितीय काण्डस्य 1-3 अध्यायाः 25

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

माध्यन्दिनीयशाखावत्

चतुर्थप्रश्नपत्रम्- सप्रायोगिकम् ऋग्वेदवत् **पूर्णाङ्काः 100**

4. कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **कठोपनिषद** **50**

(ख) **तैत्तिरीयोपनिषद्** **50**

तृतीयप्रश्नपत्रम्ः– **पूर्णाङ्का 100**

(क.) **तैत्तिरीयसंहितायाः** तृतीयकाण्डस्य 1–2 प्रपाठकयोः सायणभाष्यम् 50

(ख.) **तैत्तिरीयप्रातिशाख्यम्** 11 अध्यायतः समाप्ति पर्यन्तम् 30

(ग.) **आपस्तम्बश्रौतसूत्रम्** 1–3 अध्यायान्तम् धूर्तस्वामिभाष्यम् 20

चतुर्थप्रश्नपत्रम्– ऋग्वेदवत् प्रायोगिकम् **पूर्णाङ्काः 100**

5. सामवेदः (कौथुमशाखीयः)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) **सामवेदसंहितायाः** सायणभाष्यम्
(उत्तरार्चिकस्य 10–15 अध्यायाः) 40

(ख.) **ताण्ड्यमहाब्राह्मणम्** सायणभाष्यम् 1–4 अध्यायाः 40

(ग.) **द्राह्यायण श्रौतसूत्रम्** धन्वीभाष्यसहितम् 1–4 पटलानि 20

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः(मन्त्रार्थः/पारिभाषिकशब्दाः)	04	02	02ह्व05=10
लघूत्तरात्मकाः (मंत्रद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (कण्डिकाद्वयस्यार्थः/ पारिभाषिकशब्दाः)	08	04	04ह्व02=08
लघूनिबन्धात्मकाः (कण्डिकात्रयस्यार्थः व्याख्या)	06	03	03ह्व06=18
निबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	04	02	02ह्व07=14
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (सूत्रार्थः/पारिभाषिकशब्दाः)	10	05	05ह्व02=10
निबन्धात्मकाः (सूत्रस्य व्याख्या/विषयविवेचन)	02	01	01ह्व10=10

तृतीयप्रश्नपत्रम्– **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **ऋक्तन्त्रम्** 40

(ख) **सामविधानब्राह्मणम्** – सायणभाष्यम् 40

(ग) **छान्दोग्योपनिषद्** 1–2 अध्यायौ (शाङ्करभाष्यम्) 20

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः(सूत्रार्थः)	04	02	02ह05=10
लघूत्तरात्मकाः (सूत्रद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह05=10
निबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	02	01	01ह20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः (कण्डिकानामर्थः)	04	02	02ह04=08
लघूनिबन्धात्मकाः (कण्डिकात्रयस्यार्थः व्याख्या)	06	03	03ह06=18
निबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	04	02	02ह07=14
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः (कण्डिकानां पूर्तिः)	10	05	05ह02=10
लघूनिबन्धात्मकाः (कण्डिकाद्वयस्य व्याख्या/विषयववेचनं वा)	04	02	02ह05=10

चतुर्थप्रश्नपत्रम्- सप्रायोगिकम् ऋग्वेदवत् **पूर्णाङ्काः 100**

ऋग्वेदवत् (सर्ववेदेषुसमानम्) 100

6. सामवेदः (जैमिनीयशाखीयः)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) **जैमिनीयब्राह्मणम्** प्रथम काण्डस्य 101-250 कण्डिकाः 50

(ख.) **जैमिनीयश्रौतसूत्रम्** सूत्रखण्डमात्रम् 50

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) कौथुमशाखावत् 50

चतुर्थप्रश्नपत्रम्-सप्रायोगिकम् ऋग्वेदवत् **पूर्णाङ्काः 100**

7. अथर्ववेदः

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) **अथर्ववेदसंहितायाः** द्वादशकाण्डस्य सायणभाष्यम् 30

(ख.) **गोपथब्राह्मणम्** पूर्वगोपथम् 35

(ग.) **वैतानश्रौतसूत्रम्** पूर्वार्द्धम् 35

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः (मन्त्रार्थः)	06	03	03ह02=06
लघूत्तरात्मकाः (मन्त्रव्याख्या)	06	03	03ह05=15
निबन्धात्मकाः (सूक्तस्य सारांशःदेवतापरिचयो वा)	02	01	01ह09=09

(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः (कण्डिकापूर्तिः /कण्डिकायाः अर्थः)	04	02	02ह्व05=10
लघूत्तरात्मकाः (कण्डिकाद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्व05=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	02	01	01ह्व15=15
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (सूत्रव्याख्या)	08	04	04ह्व02=08
लघूत्तरात्मकाः (पदार्थनिरूपणम्)	02	01	01ह्व07=07
निबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	04	02	02ह्व10=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **चतुरध्यायिका** 1–2 अध्यायौ **50**

(ख) **मुण्डकोपनिषद् भाष्यम्** **30**

(ग) **अथर्ववेदभाष्यभूमिका सायणस्य** **20**

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः(सूत्रार्थः)	04	02	02ह्व02=04
लघूत्तरात्मकाः (सूत्रद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्व03=06
निबन्धात्मकाः (सूत्रव्याख्या/	04	02	02ह्व05=10
पारिभाषिकशब्दाः	10	05	05ह्व02=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	04	02	02ह्व10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (कण्डिकानामर्थः)	06	03	03ह्व02=06
लघूत्तरात्मकाः (कण्डिकाद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्व07=14
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूनिबन्धात्मकाः (विषयद्वयस्य विवेचनम्)	04	02	02ह्व05=10

चतुर्थप्रश्नपत्रम्– **पूर्णाङ्काः 100**

ऋग्वेदवत् (सर्ववेदेषुसमानम्)

8. पौरोहित्यम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **शुक्लयजुर्वेदसंहितायाः** 6-10 अध्यायानां महीधरभाष्यम् 50

(ख.) **संस्कारदीपकः** (द्वितीय-तृतीयभागौ) 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः(मन्त्राणामर्थः)	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः (पारिभाषिकशब्दाः)	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः (मन्त्रद्वयस्य व्याख्या) (सारांशः देवतापरिचयो वा)	04	02	02ह्व05=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः (अध्यायस्य सारांशः देवतापरिचयो वा)	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **आह्निकसूत्रावली** 40

(ख) **शतचण्डीप्रयोगः** 20

(ग) **यज्ञतत्त्वप्रकाशः** 40

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः(सन्ध्या/ब्रह्मयज्ञः/वैश्वदेवः)	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः (व्याख्या)	04	02	02ह्व05=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (सम्भाराः/मन्त्राः)	06	03	03ह्व02=06
लघूत्तरात्मकाः (विषयविवेचनम्)	04	02	02ह्व07=14
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (श्रौतयज्ञानं परिचयः)	10	05	05ह्व02=10
लघूनिबन्धात्मकाः (प्रकरणद्वयस्य विचारः)	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	04	02	02ह्व10=20

चतुर्थ प्रश्न पत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

सैद्धान्तिकम् 60

(क) **श्रौतपदार्थनिर्वचनम्** 20

(ख) **याज्ञवल्क्यस्मृतिः** प्रायश्चित्ताध्यायाः 20

(ग) **अर्थसंग्रहः** 20

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः(पदार्थनिरूपणम्)	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मकाः (विषयविवेचनम्)	04	02	02ह्न05=10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्न10=20
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्न02=10
लघूनिबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	02	01	01ह्न10=10

प्रायोगिकम् **पूर्णाङ्काः 40**

अग्निस्थापनप्रयोगः विधिसहितः

9. वेदनैरुक्तप्रक्रिया

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **चरणव्यूहसूत्रम्** 20

(ख) **वेदशाखापर्यालोचनम्** 20

(ग) **निरुक्तम्** : 7–12 अध्यायाः 40

(घ) **बृहद्देवता** 20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **कात्यायनश्रौतसूत्रम् कर्कभाष्यसहितम्** 1–5 अध्यायाः 50

(ख) **कातीयेष्टिदीपकः नित्यानन्दपर्वतीयः** 50

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **वैदिकभाषातत्त्वविमर्शः** 50

(ख) **वैदिकदेवतावादविमर्शः** 50

10. वेदविज्ञानम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **गीताविज्ञानभाष्यभूमिका** (बहिरंगपरीक्षा) 100

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) इन्द्रविजय – पं. मधुसूदन ओझा 50

(ख.) आत्मगतिविज्ञानोपनिषद् (श्राद्धविज्ञानम्) लेखक पं. मोतीलाल शर्मा 50

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) अत्रिख्याति– पं. मधुसूदन ओझा 50

(ख.) महर्षिकुलवैभवम् – पं. मधुसूदन ओझा 50

11. गणितज्यौतिषम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः100**

(क.) सिद्धान्तशिरोमणिः (आदितः सूर्यग्रहणाधिकारान्तम्)ले.:-भास्कराचार्यः 100

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	02ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) सिद्धान्ततत्त्वविवेकः (मध्यमाधिकारत्रिप्रश्नाधिकारौ)
ले. कमलाकरः 70

(ख.) जैमिनीसूत्रम् (प्रथमाध्याये प्रथमपदम्) 30

अंकविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	14	07	07ह्व02=14
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व06=24
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व07=14
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व18=18
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्व02=06
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व07=14
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

सैद्धान्तिकम्

(क) प्रासादमण्डनम् **60**

अंकविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	12	06	06ह्व02=12
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व06=12
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व09=18
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व18=18

प्रायोगिकम् **40**

निर्धारितपाठ्यग्रन्थानुसारम्

12. सिद्धान्तज्योतिषम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

सिद्धान्तशिरोमणिः (गोलाध्यायः) लेखकः भास्कराचार्यः 100

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

सिद्धान्ततत्त्वविवेकः (आदितः त्रिप्रश्नाधिकारान्तो भागः) 100
लेखक-कमलाकरः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) सैद्धान्तिकम् **60**

केतकीग्रहगणितम् (आदितः सूर्यग्रहणाधिकारान्तो भागः)
लेखकः-वेंकटेशबापूकेतकरः

(ख) प्रायोगिकम् **40**

गोल-खगोल-भगोलनिर्माणपद्धतेर्ज्ञानम्, अक्षक्षेत्राणि, गिरिनिवेशपुरादीनां स्थितिज्ञानम्।

13. फलितज्योतिषम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) सूर्यसिद्धान्तः (मध्यमाधिकारः भूगोलाध्यायान्तम्।) **60**

(ख.) लघुचिन्तामणिः **40**

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	12	06	06ह्व02=12
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व06=12
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व09=18
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व18=18

(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्न02=08
लघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्न06=18
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्न07=14

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **पंचस्वरा**, लेखकः- प्रजापतिदासः 50

(ख) **जैमिनिसूत्रम्**, (आदितः आयुर्दायाध्यायमात्रम्) 50

लेखकः - महर्षिजैमिनीः

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्न05=10
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न10=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्न05=10
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न10=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

सैद्धान्तिकम्

(क) **चिकित्साज्योतिषम्** **30**

(ख) **प्रासादमण्डनम्** (प्रथमद्वितीयाध्यायौ) **30**

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्न02=06
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्न07=14
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न10=10

(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्न02=06
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्न07=14
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न10=10

सन्दर्भग्रन्थाः-

1. जातकपारिजातः-वैद्यनाथ-पं. कपिलेश्वर शास्त्री
2. प्रश्नमार्गः- प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी
3. भावकुतूहलम्- जीवनाथ-डॉ. सत्येन्द्र मिश्र।
4. बृहत्संहिता-वराहः- डॉ. सुरेशचन्द्र मिश्र।
5. वीरसिंहावलोकः- वीर सिंह
6. ज्योतिष शास्त्र में रोग विचार-प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी।
7. चरकसंहिता-चरकः (हिन्दी टीका)
8. माधवनिदान-माधवः (हिन्दी टीका)
9. अष्टाङ्गसंग्रह-वारभट्ट- (हिन्दी टीका)
10. चिकित्साज्योतिषम् - लेखक- डॉ. भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय'

प्रायोगिकम् 40

निर्धारितपाठ्यग्रन्थानुसारम्

14. सामुद्रिकज्योतिषम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **सामुद्रिकरहस्यम्**- लेखकः कालिकाप्रसादः राजज्योतिषी 60

(ख.) **हस्तसंजीवनम्**- लेखकः मेघविजयगणी 40

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	12	06	06ह्न02=12
लघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्न06=18
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न10=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

तृतीयप्रश्नपत्रम्– **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **बृहत्संहिता** (52, 56, 67, 69, 79, 92, 95, 103 अध्यायाः) 100

लेखकः–वराहमिहिरः

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

सैद्धान्तिकम् **60**

भद्रबाहुसंहिता : लेखकः–भद्रबाहु

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	12	06	06ह्व02=12
लघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्व06=18
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

प्रायोगिकम् **पूर्णाङ्काः 100**

शरीरांगलक्षण–चिह्न–तिलादिवशात् फलितनिदर्शनं, विविधाकृतिः मनुष्याणां शुभाशुभं फलितनिरूपणं च।

15. वास्तु विज्ञानम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

वास्तुराजवल्लभः, लेखकः (मण्डनसूत्रधारः) 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्ल02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्ल05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्ल10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्ल20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **कुण्डमण्डपसिद्धिः** **40**

(ख) **समराङ्गणसूत्रधारः** लेखकः भोजदेवः **60**

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्ल02=08
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्ल06=12
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्ल10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	12	06	06ह्ल02=12
लघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्ल06=18
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्ल10=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्ल20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

सैद्धान्तिकम् **60**

वास्तुरत्नाकरः लेखकः विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	12	06	06ह्ल02=12
लघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्ल06=18
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्ल10=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्ल20=20

प्रायोगिकम् **40**

यज्ञभूमिपरीक्षणं, मण्डपनिर्माणप्रक्रिया, विविधकुण्डनिर्माणप्रकारः देवमूर्तिस्थापन-विधिः, द्वार-गवाक्ष, देहली-बतोली-वीथि-सोपनादि विचारः।

16. धर्मशास्त्रम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

निर्णयसिन्धुः (1–2 परिच्छेदौ) कमलाकरभट्टकृतः 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	12	06	06ह्व05=30
लघुनिबन्धात्मकाः	06	03	03ह्व10=30
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) वीरमित्रोदयः (संस्कारप्रकाशः) 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	12	06	06ह्व05=30
लघुनिबन्धात्मकाः	06	03	03ह्व10=30
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) धर्मसिन्धुः (तृतीयपरिच्छेदस्योत्तरार्धः) 50

(ख.) कालमाधवः (माधवाचार्यकृतः) 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

17. नव्यव्याकरणम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः100**

लघुशब्देन्दुशेखरः (अदितः स्वादिसन्धिपर्यन्तम्)

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह10=40
विस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह20=20

विषयवस्तुविभागनिर्देशः

1. (क) अतिलघूत्तरात्मकेषू प्रष्टव्येषु विंशतौ प्रश्नेषु प्रतिप्रकरणं प्रश्नद्वयमावश्यकं भविष्यति।
   (ख) एते प्रश्नाः संज्ञा–समास–विधि–उदाहरण–पारिभाषिकपदज्ञानविषयकाः तत्तत्प्रकरणविषयकाश्च भविष्यन्ति।
2. (क) लघूत्तरात्मकेषू प्रष्टव्येषु अष्टसु प्रश्नेषु प्रतिप्रकरणं प्रश्नमेकमावश्यकं भविष्यति।
   (ख) ऐते प्रश्नाः सूत्रार्थोदाहरणसंगतिपंक्तिविवेचनसम्बद्धाः भविष्यन्ति।
3. (क) निबन्धात्मकेषु प्रष्टव्येषु अष्टसु प्रश्नेषु आदितः अच्सन्ध्यन्तभागात् प्रश्नचतुष्टयम्, निर्धारितावशिष्टस्वादिसन्ध्यन्तभागाच्च प्रश्नचतुष्टयं भविष्यति।
   (ख) ऐते प्रश्नाः नागेशभट्टमताभिप्रायस्फोरणपुरस्सरसूत्रार्थोदाहरणसहित व्याख्यासम्बद्धाः भविष्यन्ति।
4. (क) विस्तृनिबन्धात्मकयोः प्रष्टव्ययोः द्वयोः प्रश्नोयोरेकः आदितः अच्सन्ध्यन्त–भागादपरश्च निर्धारितावशिष्टस्वादिसन्ध्यन्तभागाद् भविष्यति।
   (ख) एतावुभावपि प्रश्नौ सपदकृत्यसूत्रार्थविश्लेषणपूर्वक प्राचीननव्यमताभिप्राय–प्रकाशनपरकसूत्रव्याख्यासम्बद्धौ भविष्यतः।

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) लघुशब्देन्दुशेखरः (अजन्तलिङ्गत्रयमात्रम्) **50**

(ख) परमलघुमञ्जूषा (प्रारम्भतः तात्पर्यनिरूपणपर्यन्तम्) **50**

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह05=10
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह10=10
विस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह20=20

(ख) (क) भागवत् (ख) भागस्य अपि अङ्कनिर्धारणम् अस्ति। (ख) भागोऽयं पञ्चाशत् (50) संख्याङ्कात्मकः अस्ति।

विषयवस्तुविभागनिर्देशः

1. (क) अतिलघूत्तरात्मकेषू प्रष्टव्येषु 'क' 'ख' भागयोः आहत्य विंशतौ प्रश्नेषु प्रतिप्रकरणं प्रश्नत्रयं भविष्यति।
   (ख) एते प्रश्नाः तत्तत्प्रकरणविषयकसामान्यज्ञानसम्बद्धाः भविष्यन्ति।
2. (क) लघूत्तरात्मकेषू प्रष्टव्येषु 'क' 'ख' भागयोः आहत्य अष्टसु प्रश्नेषु प्रतिप्रकरणं एक एव प्रश्नः भविष्यति।
   (ख) ऐते प्रश्नाः तत्तत्प्रकरणस्थश्लोकव्याख्यात्मका भविष्यन्ति।
3. (क) निबन्धात्मकेषु प्रष्टव्येषु 'क' 'ख' भागयोः आहत्य चतुर्षु प्रश्नेषु प्रतिप्रकरणम् एक एव प्रश्नः भविष्यति।
   (ख) ऐते प्रश्नाः मुख्यविषयविवेचनपराः ग्रन्थकाराभिप्रायप्रकाशनात्मकाश्च भविष्यन्ति।
4. (क) विस्तृतनिबन्धात्मकयोः प्रष्टव्ययोः द्वयोः प्रश्नयोरेकः आदितः लघुशब्देन्दुशेखरग्रन्थात् भविष्यति।
   (ख) एतावुभावपि प्रश्नौ साधक–बाधकयुक्तिभ्यां ग्रन्थोक्तदिशा मुख्यविषयविवेचनात्मकौ, मतमतान्तर–प्राचीन–नव्यसिद्धान्तोद्भावकौ ग्रन्थ–कृदभिप्रायनिरूपण–विषयकौ च भविष्यतः।

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

परिभाषेन्दुशेखरः (आदितः पंचाशत्परिभाषामात्रम्)

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
विस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

विषयवस्तुविभागनिर्देशः

1. (क) अतिलघूत्तरात्मकेषू प्रष्टव्येषु विंशतौ प्रश्नेषु प्रतिपरिभाषम् एक एव प्रश्नः भविष्यति।
   (ख) एते प्रश्नाः परिभाषासामान्यज्ञानविषयकाः भविष्यन्ति।
2. (क) लघूत्तरात्मकेषू प्रष्टव्येषु अष्टसु प्रश्नेषु आदितः पंच विंशति परिभाषात्मकभागात् प्रश्नचतुष्टयम्, निर्धारिताविशष्टभागाच्च प्रश्नचतुष्टयं भविष्यति।
   (ख) एते प्रश्नाः परिभाषार्थ– उदाहरणसंगतिव्याख्याविवेचनविषयाः भविष्यन्ति।
3. (क) निबन्धात्मकेषु प्रष्टव्येषु अष्टसु प्रश्नेषु आदितः पंचविंशतिपरिभाषात्मकभागात् प्रश्नचतुष्टयम्, निर्धारिताविशष्टभागाच्च प्रश्नचतुष्टयं भविष्यति।
   (ख) ऐते प्रश्नाः संदर्भसहितसोदाहरणपरिभाषार्थविवचेनपुरस्सरव्याख्या सम्बद्धा भविष्यन्ति।

4. (क) विस्तृतनिबन्धात्मकप्रष्टव्ययो: द्वयो: प्रश्नयोरेक: आदित: पंचविंशति परिभाषात्मक-भागादपरश्च निर्धारिताविशष्टभागाद् भविष्यति।

(ख) एतावुभावपि प्रश्नौ साधक-बाधकयुक्तिपुरस्सरज्ञापकप्रमाणविस्फोरणात्मकौ प्राचीन-नव्य-मतमतान्तरभेदनिरूपणात्मकौ ग्रन्थकृदभिप्रायप्रकाशकौ च भविष्यत:।

18. प्राच्यव्याकरणम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क.) व्याकरणमहाभाष्यम् (प्रथमद्वितीयाध्यायौ) 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मका:	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मका:	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मका:	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्का: 100**

(क.) व्याकरणमहाभाष्यम् (तृतीयचतुर्थाध्यायौ) 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मका:	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मका:	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मका:	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्का: 100**

(क.) व्याकरणमहाभाष्यम् (पंचमोऽध्याय:) 50

(ख.) वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डमात्रम्) 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मका:	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मका:	06	03	03ह्व10=30
(ख) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मका:	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मका:	06	03	03ह्व10=30

साहित्यसंस्कृतिसंकाय:

19. साहित्यम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् – **पूर्णाङ्का: 100**

दशरूपकम् (सम्पूर्णम्) अवलोकटीकासहितम् 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मका:	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मका:	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मका:	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् – **पूर्णाङ्का: 100**

(क) **काव्यप्रकाश:** (1 त: 4 उल्लासपर्यन्तम्) 50

(ख) **काव्यप्रकाश:** (5 त: 8 उल्लासपर्यन्तम्) 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	10	05	05ह्व02=10
लघुनिबन्धात्मका:	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मका:	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मका:	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मका:	04	02	02ह्व10=20

(क) वस्तुनिष्ठा: प्रश्ना:

टिप्पणीद्वयात्मकौ द्वौ प्रश्नौ। विषयवस्तुपरक: प्रश्न:।

(ख) वस्तुनिष्ठा: प्रश्ना:

टिप्पणीचतुष्टयम्। व्याख्यात्मकौ प्रश्नौ।

चतुर्थप्रश्नपत्रम् – **पूर्णाङ्का:100**

(क.) **ध्वन्यालोक:** (प्रथमद्वितीयोद्योतौ) 70

(ख.) **वक्रोक्तिजीवितम्** (प्रथम उन्मेष) 30

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	03ह्व10=30
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	01ह्व10=10

(क) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः

टिप्पणीद्वयम्। कारिकात्रयस्य व्याख्या। विषयवस्तुपरकः प्रश्नः।

(ख) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः

टिप्पणीद्वयम्। विषयवस्तुपरकः प्रश्नः।

20. पुराणेतिहासः

द्वितीयप्रश्नपत्रम् – **पूर्णाङ्काः100**

(क) **शिवपुराणम्** (प्रथमोऽध्यायः) 50

(ख) **इतिहासपरिचयः** (वाल्मीकिकृतरामायणतः अयोध्याकाण्डाम्, युद्धकाण्डम्, विष्णुपुराणम्, ब्रह्मवैवर्तपुराणम्, देवीभागवतम् इत्यादि)। 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

(क) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः

टिप्पणीद्वयात्मकौ द्वौ प्रश्नौ। विषयवस्तुपरकः प्रश्नः।

(ख) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः

टिप्पणीचतुष्टयम्। व्याख्यात्मकौ प्रश्नौ।

तृतीयप्रश्नपत्रम् – **पूर्णाङ्का:100**

(क.) श्रीमद्भागवतम् (दशमस्कन्धपूर्वार्द्धम्) 60

(ख.) अग्निपुराणम् (1 तः 20 अध्याय पर्यन्तम्) 40

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मका:	04	02	02ह्न05=10
लघूनिबन्धात्मका:	04	02	02ह्न10=20
निबन्धात्मका:	02	01	01ह्न20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मका:	04	02	02ह्न05=10
निबन्धात्मका:	04	02	02ह्न10=20

(क) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः

टिप्पणीद्वयात्मकौ द्वौ प्रश्नौ। विषयवस्तुपरक: प्रश्न:।

(ख) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः

टिप्पणीचतुष्टयम्। व्याख्यात्मकौ प्रश्नौ।

चतुर्थप्रश्नपत्रम् – **पूर्णाङ्का: 100**

(क.) विष्णुधर्मोत्तरपुराणम् 60

(चित्रसूत्रतृतीयखण्डे 35 तः 85 अध्यायपर्यन्तम्)

(ख.) स्कन्धपुराणम्-द्वितीयो भाग: 40

(पुरूषोत्तमक्षेत्रमाहात्म्यम्-1 तः 20 अध्यायपर्यन्तम्)

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मका:	04	02	02ह्न05=10
लघूनिबन्धात्मका:	04	02	02ह्न10=20
निबन्धात्मका:	02	01	01ह्न20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मका:	04	02	02ह्न05=10
निबन्धात्मका:	04	02	02ह्न10=20

21. प्राचीनराजनीतिशास्त्रम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

राजनीतिरत्नाकरः पं. चण्डेश्वरठक्कुरः 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) कौटिलीय अर्थशास्त्रम् (नवम–दशम–द्वादश–त्रयोदशाधिकरणानि) 50

(ख.) मनुस्मृतिः (सप्तमोऽध्यायः) 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघूनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) शिशुपालवधमहाकाव्यम् (द्वितीयसर्गः) 40

(ख.) मनुस्मृतिः (अष्टमाध्यायमात्रम्) 60

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघूनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

दर्शनसंकायः

22. सामान्य-दर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

वेदान्तपरिभाषा **100**

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

भगवद्गीता (1-6 अध्यायाः, शाङ्करभाष्यसहिता)

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

मानमेयोदयः

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

23. अद्वैतवेदान्तदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

ब्रह्मसूत्रभाष्यम् (प्रथमाध्यायः) 100

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

चित्सुखी (प्रथमपरिच्छेदः) 100

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

ब्रह्मसूत्रभाष्यम् (द्वितीयाध्यायः) 100

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

24. मीमांसादर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

प्रकरणपञ्चिका (प्रमाणपारायणपर्यन्ता) 100

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्न02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्न05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्न10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

शास्त्रदीपिका (तर्कपादः) 100

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्न02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्न05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्न10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

भाट्टदीपिका (5-6 अध्यायौ) 100

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्न02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्न05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्न10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

25. न्यायवैशेषिकदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

व्युत्पत्तिवादः (प्रथमाकारकमात्रम्) 100

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्न02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्न05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्न10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

व्युत्पत्तिवादः (द्वितीयकारकम्) 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्न02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्न05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्न10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

न्यायकुसुमाञ्जलिः (हरिदासीयविवृत्तिसहितः) 100

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्न02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्न05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्न10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

26. निम्बार्कदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

आत्मपरमात्मतत्त्वादर्शः 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्न02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्न05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्न10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(1) **ब्रह्मसूत्रवेदान्तपरिजातसौरभम्** 70

(वेदान्तकौस्तुभसहितम् 1-2 अध्यायौ)

(2) **वेदान्तरत्नमाला** 30

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	03ह्व10=30
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	01	01ह्व10=10

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(1) **ब्रह्मसूत्रवेदान्तपरिजातसौरभम्** 70
(कौस्तुभप्रभासहितम्)(3-4 अध्यायौ)

(2) **श्वेताश्वतरोपनिषद्** (उपनिषत्प्रकाशसहिता) 30

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	03ह्व10=30
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	01	01ह्व10=10

27. वल्लभदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

ब्रह्मसूत्रम्- अणुभाष्यसहितम् (1-2 अध्यायौ) 100

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

छान्दोग्योपनिषद् (5-8 अध्याया: भाष्यसहिता:) 70

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) सर्वार्थद्वीपनिबन्धः **70**

(ख) श्वेताश्वरोपनिषत् **30**

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	03ह्व10=30
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	01	01ह्व10=10

28. रामानन्ददर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

वैष्णवमाताब्जभास्करः (षष्ठपरिच्छेदपर्यन्तम्) 100

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

ब्रह्मसूत्रानन्दभाष्यम् (प्रथमाध्याय:)

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकार:	विकल्पा:	समाधेया:	अङ्का:
अतिलघूत्तरात्मका:	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मका:	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मका:	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मका:	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) **बृहदारण्यकोपनिषद्** (1-3 अध्याया:) 60

(ख) **वेदरहस्यम्** 40

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकार:	विकल्पा:	समाधेया:	अङ्का:
अतिलघूत्तरात्मका:	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मका:	04	02	02ह्व05=10
लघुनिबन्धात्मका:	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मका:	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकार:	विकल्पा:	समाधेया:	अङ्का:
अतिलघूत्तरात्मका:	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मका:	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मका:	04	02	02ह्व10=20

29. रामानुजदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

प्रश्न-मुण्डक-माण्डूक्योपनिषद: (श्रीरङ्गरामानुजभाष्यसहिता:) 100

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकार:	विकल्पा:	समाधेया:	अङ्का:
अतिलघूत्तरात्मका:	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मका:	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मका:	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मका:	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

बृहदारण्यकोपनिषत् (श्रीरङ्गरामानुजभाष्यसहिता, 1-3 अध्यायाः) 100

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्ल02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्ल05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्ल10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्ल20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

श्रीभाष्यम् प्रथमोध्यायः 100

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्ल02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्ल05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्ल10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्ल20=20

30. तुलनात्मक दर्शनम्

विशेष-सूचना

१. सर्वेष्वेव प्रश्नपत्रेषु प्रत्येकं विंशत्यङ्कसमूहात् निम्नोक्तरीत्या प्रश्नाः भवन्ति- (प्रति २० अङ्कों के प्रत्येक इकाई से निम्नोक्त प्रकार से प्रश्न होंगे)

प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्ल02=04
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्ल06=06
लघुनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्ल10=10

२. सर्वेषु प्रश्नपत्रेषु प्रत्येकं दशाङ्कसमूहाच्च निम्नोक्तरीत्या प्रश्नाः भवन्ति- (10 अङ्कों के प्रत्येक इकाई से निम्नोक्त प्रकार से प्रश्न होंगे।)

प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्ल02=04
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्ल06=06

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

भारतीयदर्शनम्

1. **वेद और उपनिषद्**- बहुदेववाद, एकेश्वरवाद, अद्वैतवाद, ब्रह्म, आत्मा, ईश्वरमाया, मोक्षसंबन्धिविचार। १०
2. **भगवद्गीता**- सृष्टि, माया, ईश्वर, मोक्ष, जीव, ज्ञान, बन्ध, पदार्थव्यवस्था, इन्द्रिय, ज्ञानमीमांसा। १०
3. **जैन**- ज्ञानसिद्धान्त, अनेकान्तवाद, स्याद्वाद, तत्त्वमीमांसा, बन्ध और मोक्ष। १०

४. **बौद्ध**- चार आर्यसत्य, अष्टाङ्गमार्ग, प्रतीत्यसमुत्पादवाद, अनात्मवाद, क्षणभङ्गवाद, निर्वाणस्वरूप, साधन। १०

५. **सांख्ययोग**- कार्यकारणवाद, प्रकृति-स्वरूप, सिद्धि, पुरुष, स्वर्ग, सृष्टिकर्म, बन्ध और मोक्ष। २०

६. **न्यायवैशेषिक**-वैशेषिकपदार्थ, द्रव्य, ईश्वर, परमाणुकारणवाद, प्रमा-प्रमाण, कारणसिद्धान्त, हेत्वाभास, ईश्वर। २०

७. **वेदान्त**- (शंकर, रामानुज, मध्व, रामानन्द, निम्बार्क, वल्लभ) ब्रह्म, ईश्वर, माया, श्रुति, तर्क और अनुभव, अध्यास, मोक्ष (स्वरूप एवं साधन), रामानुज, रामानन्द और मध्व के द्वारा मायावाद का खण्डन। २०

सन्दर्भ ग्रन्थः

१. **भारतीयदर्शन**- पारसनाथ द्विवेदी, श्रीराम मेहरा एण्ड कम्पनी, आगरा।

२. **भारतीयदर्शन**- सी. डी. शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

३. **सर्वदर्शनसंग्रह**- माधवाचार्यकृत, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

पाश्चात्त्यदर्शनम्

१. **सुकरात**- सुकरात की दर्शनविधि, ज्ञानविचार, नीतिविचार, प्रत्ययविचार। १०

२. **प्लेटो**- ज्ञानमीमांसा, ज्ञानप्रत्यक्ष नहीं है, प्रत्ययसिद्धान्त, विज्ञानवाद, विज्ञान एवं वस्तु में सम्बन्ध, परमशुभ विज्ञान। १०

३. **अरस्तु**- करणसिद्धान्त, द्रव्य और स्वरूप, सद्गुण (स्वरूप, परिभाषा, वर्गीकरण) बुद्धिवाद। १०

४. **देकार्त**- दार्शनिकप्रणाली, सहजज्ञान, संदेहवाद, आत्मा का अस्तित्व, ईश्वरविचार (सत्ता के लिये प्रमाण, स्वरूप)। १०

५. **स्पिनोजा**- द्रव्यविचार, ईश्वरविचार, सर्वेश्वरवाद, गुण एवं पर्यायविचार १०

६. **लाइब्निट्ज**- चिदगुणवाद, चिदणु और चेतना, पूर्वस्थापित सामञ्जस्य, पूर्वस्थापित सामञ्जस्य का नियम, शरीर और आत्मा के पारस्परिक सम्बन्ध १०

७. **लोक**- प्रत्ययवाद, द्रव्यविचार (प्रकार पर्याय से सम्बन्ध), गुणविचार (मूलघूण, उपगुण) १०

८. **बर्कले**– विज्ञानवाद, अमूर्तप्रत्यय, अमूर्तप्रत्ययों का खण्डन, जड़वाद, सत्ता अनुभवमूलक है। आत्मनिष्ठ प्रत्ययवाद। १०

९. **ह्यूम**– कार्यकारणसिद्धान्त, द्रव्यविचार, आत्मा का खण्डन १०

१०. **काण्ट**– बुद्धिवाद एवं अनुभववाद की समीक्षा, देश काल की समस्या, बौद्धिककोटियाँ, प्रपञ्च एवं परमार्थ १०

सन्दर्भग्रन्थः

१. **पाश्चात्त्यदर्शन**– बी. एन. सिंह, स्टूडेंट्स फ्रेण्ड्स एण्ड कम्पनी, लङ्का, वाराणसी।

२. **पाश्चात्त्यदर्शन**– सी. डी. शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।

३. **पाश्चात्त्यदर्शन का इतिहास**– दयाकृष्ण, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

४. **पाश्चात्त्यतत्त्वशास्त्रस्येतिहासः**– पी. रामचन्द्रुडु हैदराबाद।

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

भारतीयनीतिशास्त्रम्

१. **नीतिशास्त्र की परिभाषा,** स्वरूप एवं नीतिशास्त्र की प्रणाली २०

२. **भारतीयनीतिशास्त्र**– भारतीयनैतिक दर्शन का विकास, ऋत, यश, धर्म, कर्म एवं संसार, पुरुषार्थ, मोक्ष। २०

३. **भगवद्गीता**–वर्णाश्रमधर्म, स्वधर्म, त्रिगुणों का विवेचन, कर्म, भक्ति एवं ज्ञानयोग निष्कामकर्म, स्थितप्रज्ञ २०

४. **बौद्ध एवं जैन नीतिशास्त्र**– अष्टाङ्गमार्ग, आर्यसत्य, पञ्चशील, अर्हत, त्रिरत्न, अणुव्रत, महाव्रत।

५. **महात्मा गांधी**–पञ्चमहाव्रत का सिद्धान्त २०

सन्दर्भग्रन्थः

१. **नीतिशास्त्र के मूलसिद्धान्त**– वेदप्रकाश शर्मा, अलाइड पब्लिशर्स, दिल्ली।

२. **आचारशास्त्र के मूल सिद्धान्त**– झा और मिश्र, इंडियन प्रेस, इलाहाबाद।

३. **नीतिशास्त्र**– शान्ति जोशी, बनारस ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।

31. द्वैतवेदान्तः

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

छान्दोग्योपनिषद्भाष्यम् (पूर्णप्रज्ञासंशोधनमन्दिरम्, बेङ्गलूरु) 100

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

ब्रह्मसूत्रभाष्यम् (तत्त्वप्रकाशिकासहितम्, प्रथमाध्यायः)

(श्रीगुरुसार्वभौमप्रकाशनम् धारवाड्)

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

न्यायसुधा (जिज्ञासाधिकरणमात्रम्) (श्रीमदुत्तरादिमठः बेङ्गलूरु) 60

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

श्रमणविद्यासंकायः

32. जैनदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

प्रमाणमीमांसा (हेमचन्द्रसूरि) 100

प्राप्तिस्थानम्- सरस्वती पुस्तक भण्डार, अहमदाबाद

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) पंचास्तिकायः शतगाथापर्यन्तम् (आ. कुन्दकुन्दः) **60**

प्राप्तिस्थानम्- भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।

(ख) प्रमेय कमल मार्तण्ड (प्रभातचन्द्राचार्यकृत, प्रथम परिच्छेद प्रथमस्तां व्याख्या) 40

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व06=12
लघुनिबन्धात्मकाः	04	03	03ह्व08=24
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व14=14
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व06=24
निबन्धात्मकाः	04	01	01ह्व06=06

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

राजवार्तिकम् (आचार्य अकलंक देवः) द्वितीयाध्यायमात्रम् 60

अष्टसहस्त्री (अ.अ. विद्यानन्दि) गाथा सं.- 1-6 पर्यन्तम् 40

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

33. बौद्धदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

बोधिचर्यावतारः (आ. शान्तिदेव) 1-7 परिच्छेदपर्यन्तम् 100

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

न्यायबिन्दुः (धर्मकीर्तिकृतः)

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

बोधिचर्यावतारः (आ. शान्तिदेव) 8-15 परिच्छेद पर्यन्तम् **100**

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

34. प्राकृतजैनागमः

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

1. **प्राकृतम् अष्टपाहुड चयनिका** (डॉ. कमलचन्द सोगाणी) 50
   प्राप्तिस्थानम्- अपभ्रंश साहित्य अकादमी, श्रीमहावीर जी
2. **जैनागमः- नियमसारः** (आचार्य कुन्दकुन्द कृतः) 1-100 गाथाः, 50
   प्राप्तिस्थानम्- परमश्रुत प्रभावक मण्डल, आगास

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
लघुनिबन्धात्मकाः गाथाव्याख्या	06	03	03ह्व10=30
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) प्राकृतम् कर्पूरमञ्जरी (प्राकृतभागमात्रम्) 50

प्राप्तिस्थानम्- मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

(ख) जैनागमः बृहदद्रव्यसंग्रहः (ब्रह्मदेव सुरि कृतः 50

प्राप्तिस्थानम्- परमश्रुत प्रभावकमण्डलम्, आगास)

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
लघुनिबन्धात्मकाः गाथाव्याख्या	06	03	03ह्व10=30
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) प्राकृतम् आचारांग (सत्थ परिण्ण, लोग विजयो) 50

प्राप्तिस्थानम्- आगमप्रकाशन संस्थानम्, ब्यावर

(ख) बारसाणुपेक्खा (सर्वोदया टीका) गणाचार्य विरागसागर 50

१. अध्रुव (अनित्य), २. अशरज, ३. संसार अनुप्रेक्षा।

प्रकाशक- भारतीयज्ञानपीठ दिल्ली।

अङ्कविभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
लघुनिबन्धात्मकाः गाथाव्याख्या	06	03	03ह्व10=30
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

आचार्य (स्नातकोत्तर) द्वितीय वर्ष परीक्षा

अनिवार्यपत्रम्

प्रथमप्रश्नपत्रम्- **पूर्णाङ्काः100**

(धर्मः, सांख्य-न्याय-वेदान्त-चार्वाक-जैनदर्शनिक च)

(क) याज्ञवल्क्यस्मृतिः (गृहस्थधर्मप्रकरणं राजधर्मप्रकरणं च) 20

(ख) तर्कभाषा (शब्दखण्डान्तम्)- केशवमिश्रः 20

(ग) सांख्यकारिका-ईश्वरकृष्णः 20

(घ) वेदान्तसारः -सदानन्दः 20

(ङ) जैनदर्शनम् (सर्वदर्शनसंग्रहस्य आधारेण) 10

(च) चार्वाकदर्शनम् (सर्वदर्शनसंग्रहस्य आधारेण) 10

अंक विभाजनम्

प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
लघूत्तरात्मकाः			
(क)	04	02	02ह्न05=10
(ख)	04	02	02ह्न05=10
(ग)	10	05	05ह्न02=10
(घ)	04	02	02ह्न05=10
(ङ)	10	05	05ह्न02=10
(च)	10	05	05ह्न02=10
प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
लघूत्तरात्मकाः			
(क)	02	01	01ह्न10=10
(ख)	02	01	01ह्न10=10
(ग)	02	01	01ह्न10=10
(घ)	02	01	01ह्न10=10

वेद-वेदाङ्गसंकायः

1. ऋग्वेदः

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) **ऋग्वेदसंहितायाः** दशममण्डलस्य 90-191 सूक्तानि सायणभाष्यम् 50

(ख.) **आश्वलायनश्रौतसूत्रम्** सभाष्यम् (4-6 अध्यायाः) 25

(घ.) **ऐतरेयब्राह्मणम् सायणभाष्यम्** (तृतीयपंचिकायाः 11-15 अध्यायान्तम्) 25

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व04=20
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्व02=06
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व09=09
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः(कण्डिकाद्वयस्य व्याख्या)	06	03	03ह्व05=15

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **ऋक्प्रातिशाख्यम्** 9-12 पटलानि 40

(ख) **ऐतरेयोपनिषद्** सम्पूर्णं सभाष्यम् 30

(ग) **ऐतरेयारण्यकम्** 16-20 अध्यायानां सायणभाष्यम् 30

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः(सूत्रार्थः/पारिभाषिकशब्दाः)	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः (सूत्रद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः (प्रकरणविशेषस्य परिचयः)	04	02	02ह्व10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (कण्डिकानामर्थः)	06	03	03ह्व02=06
लघूत्तरात्मकाः (कण्डिकाद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्व07=14
निबन्धात्मकाः(प्रकरणविशेषस्य परिचयः)	02	01	01ह्व10=10

(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व02=04
लघूत्तरात्मकाः(व्याख्या/विषयविवेचनम्)	02	01	01ह्व06=06
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम्-सप्रायोगिकम् **पूर्णाङ्काः 100**

सैद्धान्तिकम् **60**

(क) **निरुक्तदुर्गवृत्तिसहितम्** ७ अध्यायात् द्वादशाध्याय यावत् 20

(ख) **जैमिनीयन्यायमाला** सविस्तारा 1-3 अध्यायाः 20

(ग) **बृहद्देवता शौनकीया** 4-8 अध्यायाः 20

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः(पंक्तिनामर्थः)	06	03	03ह्व02=06
लघूत्तरात्मकाः (निर्वचनम्)	02	01	01ह्व05=05
निबन्धात्मकाः (पंक्तेर्व्याख्या अथवा मन्त्रव्याख्या)	02	01	01ह्व09=09
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः (विवेचनात्मकप्रश्नाः)	02	01	01ह्व20=20
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (श्लोकार्थः/निर्वचनम्)	04	02	02ह्व02=04
लघूत्तरात्मकाः(व्याख्या)	02	01	01ह्व06=06
निबन्धात्मकाः (देवताद्वयस्य परिचयः)	02	01	01ह्व10=10

प्रायोगिकम्- **40**

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(१) स्वशास्त्रीयनिबन्धः- अग्निष्टोमप्रयोगः दशपूर्णमासः, अग्निहोत्रम्, पिण्डपितृयज्ञः, अत्वारम्भणीयेष्टिः, आग्रयणेष्टि, काम्येष्टयः, चातुर्मास्यानि सत्रम्, एकाहः, अहीनः, सौत्रामणी, निरूढपशुबन्धः, गवामयनम्, पुरुषमेध, सर्वमेध, राजसूयः वाजपेयः अश्वमेध, सारस्वत सत्रम्, शूलगवः द्वादशाहः उक्थ्यम् षोडशी, अभिप्लवषडहा, स्वरसाम, विश्वजितसत्रम्, बृहस्पतिसव, यमस्तोमः वाचस्तोम. महाव्रतम् गोदानम् मधुपर्कः आश्वयुजी। अष्टाः पाकयज्ञः एतदतिरिक्तः स्वविषयका अन्येऽपि प्रश्नाः प्रष्टुं शक्या।

(ख) स्वशास्त्रीयेतिहासः 25

(ग) स्वशास्त्रीयव्युत्पत्तिः 25

(घ) देशास्त्रम् 25

(२) स्वशास्त्रीयव्युत्पत्ति 25

(३) स्वशास्त्रीय इतिहासः

(ऋग्वेदस्यकालः, ऋग्वेदशाखापरिचयः, षडङ्गसाहित्यम्, भाष्यकाराः, देवस्वामी, गार्ग्यनारायणः, भास्करमिश्र, देवत्रात्, टिप्पूभट्टः, त्र्यम्बक, षडगुरुशिष्यः ब्रह्मदत्त आनतीयः, नारायणः, गोविन्दः, अग्निस्वामी, भवत्रातः उब्बटः, सायणः, स्कन्दस्वामी वेंकटमाधवः, माधवाचार्यः) अथवा

लघुशोधप्रबन्धः **100**

(१) स्वशास्त्रीयनिबन्धः– दशपूर्णमासः, अग्निहोत्रम्, पिण्डपितृयज्ञः,

सहायकग्रन्थाः

१. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति
२. यज्ञतत्त्वप्रकाशः
३. वेदार्थपारिजातः
४. वैदिक वाङ्मय का बृहद् इतिहास
५. वैदिक देवशास्त्र (डॉ. सूर्यकान्त)
६. वैदिकमायथलोजी (डॉ. मैकडॉनल एवं कीथ)
७. वैदिकसाहित्येतिहासः

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व05=05
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व05=05
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व05=05
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
(घ) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व05=05
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10

टिप्पणी– नियमितरूपेणाध्ययनरतानां छात्राणां कृते लघुशोधप्रबन्धः गृहीतव्यं भविष्यति ये आचार्यप्रथमवर्षे पंचपंचाशत् प्रतिशतमङ्कान् लप्स्यन्ते।

2. शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिशाखीयः)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **शतपथब्राह्मणम्** सायणभाष्यम् प्रथम काण्डस्य 7-9 अध्यायाः 50

(ख) **कात्यायनश्रौतसूत्रम्** कर्कभाष्यम् 5-8 अध्यायमात्रम् 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः(पंचानां कण्डिकानामर्थः)	20	10	10ह्व01=10
लघूत्तरात्मकाः (कण्डिकाद्वयस्य व्याख्या)	10	05	05ह्व04=20
निबन्धात्मकाः (प्रकरणविशेषस्य परिचयः/ कण्डिकाद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्व10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (सूत्राणामर्थः)	20	10	10ह्व01=10
लघूत्तरात्मकाः (पारिभाषिकशब्दाः)	10	05	05ह्व04=20
निबन्धात्मकाः (सूत्रद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्व10=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) कठोपनिषद्- शांकरभाष्यम् 50

(ख) यज्ञतत्त्वप्रकाशः 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व01=10
लघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व04=20
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व01=10
लघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व04=20
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् (सैद्धान्तिकम् 60, प्रायोगिकम् 40=100) **पूर्णाङ्काः 100**

(क) ऋग्वेदवत् **100**

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) स्वशास्त्रीय निबन्धः 25

(ख) स्वशास्त्रीय इतिहासः 25

(ग) स्वशास्त्रीय व्युत्पत्तिः 25

(घ) देवशास्त्रम् 25

सहायक ग्रन्थाः–

ऋग्वेदवत्

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्न05=05
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्न10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्न05=05
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्न05=05
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न10=10
(घ) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्न05=05
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न10=10

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः **50**

१. लघुशोधप्रबन्ध के लिये आचार्य प्रथम वर्ष में 55 प्रतिशत अङ्क से उत्तीर्ण, नियमित रूप से अध्ययनरत होना आवश्यक है।

२. अगस्त माह के अंतिम सप्ताह तक लघुशोध प्रबन्ध का प्रारूप विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग में आवश्यक रूप से जमा करवाना है। उक्त के बाद लघूशोध प्रबन्ध की स्वीकृति नहीं दी जायेगी।

3. शुक्ल यजुर्वेदः (काण्वशाखीयः)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्		**पूर्णाङ्काः 100**
(क.)	**काण्वसंहितायाः** 21–30 सायणभाष्यम्	35
(ख.)	**काण्वशतपथब्राह्मणम्** द्वितीय काण्डस्य 4–5 अध्यायौ	20
(ग.)	**कात्यायनश्रौतसूत्रम्** 5–10 अध्यायाः	20
(घ.)	**कठोपनिषद्**	25
तृतीयप्रश्नपत्रम्		**पूर्णाङ्काः 100**
(क)	**वाजसनेयिप्रातिशाख्यम्** उव्वटभाष्यसहितम् 7–8 अध्यायौ	40
(ख)	**बृहदारण्यकोपनिषद्** 4–6 अध्यायाः शांकरभाष्यम्	30
(ग)	**यज्ञतत्त्वप्रकाशः**	**30**
चतुर्थप्रश्नपत्रम्		**पूर्णाङ्काः 100**
	सप्रायोगिकम् ऋग्वेदवत्	
पंचमप्रश्नपत्रम्		**पूर्णाङ्काः 100**
(क)	**शुक्लयजुर्वेदीयकाण्वशाखीयः निबन्धः**	25
(ख)	**शुक्लयजुर्वेदीयकाण्वशाखीयः इतिहासः**	25
(ग)	**शुक्लयजुर्वेदीयकाण्वशाखीयः व्युत्पत्तिः**	25
(घ)	**देवशास्त्रम्**	25
	अथवा	
	लघुशोधप्रबन्धः	

4. कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्		**पूर्णाङ्काः 100**
(क)	**सत्याषाढश्रौतसूत्रम्**	**100**
तृतीयप्रश्नपत्रम्		**पूर्णाङ्काः 100**
(क)	**यज्ञतत्त्वप्रकाशः**	**50**
(ख)	**अग्निष्टोमपद्धतिः**	**50**
चतुर्थप्रश्नपत्रम्		**पूर्णाङ्काः 100**
	सप्रायोगिकम् ऋग्वेदवत्	
पंचमप्रश्नपत्रम्		**पूर्णाङ्काः 100**
(क)	**कृष्णयजुर्वेदीय निबन्धः**	25
(ख)	**कृष्णयजुर्वेदीय इतिहासः**	25

(ग)	**कृष्णयजुर्वेदीय व्युत्पत्तिः**	25
(घ)	देवशास्त्रम्	25

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

5. सामवेदः (कौथुमशाखीयः)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

(क.)	**सामवेदसंहितायाः सायणभाष्यसहितायाः** उत्तरार्चिकस्य 16-21 अध्यायाः	40
(ख.)	**ताण्ड्यमहाब्राह्मणम्** 7-10 अध्यायाः	40
(ग.)	**द्राह्यायणश्रौतसूत्रम्** सभाष्यम् 5-7 पटलानि	20

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः(मन्त्रार्थः)	04	02	02ह्व02=04
लघूत्तरात्मकाः (पारिभाषिक शब्दाः)	04	02	02ह्व03=06
निबन्धात्मकाः(मन्त्रद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्व05=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः (सूक्तस्य सारांशः देवतापरिचयो वा)	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (कण्डिकानामर्थः)	06	03	03ह्व02=06
लघूत्तरात्मकाः (कण्डिकाद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्व07=14
निबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	04	02	02ह्व10=20
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (सूत्रार्थः/पारिभाषिकशब्दाः)	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः(सूत्रस्य व्याख्या/विषयविवेचनम्)	02	01	01ह्व10=10

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

प्रायोगिकम्

(क)	**प्रतिहारसूत्रम् सटीकम् 1-10**	40
(ख)	**छान्दोग्योपनिषद्** 3-5 अध्यायाः सभाष्यम्	30
(ग)	**लाट्यायन श्रौतसूत्रम्** प्रथमतः तृतीयप्रपाठकपर्यन्तम् अग्निस्वामिभाष्यसहितम्	30

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः(कण्डिकानामर्थः)	04	02	02ह्ल05=10
लघूत्तरात्मकाः (सूत्रद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्ल05=10
निबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	02	01	01ह्ल20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (कण्डिकाद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्ल03=06
लघूत्तरात्मकाः (मन्त्रद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्ल07=14
निबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	02	01	01ह्ल10=10
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (सूत्रार्थः/पारिभाषिकशब्दाः)	10	05	05ह्ल02=10
लघूत्तरात्मकाः(सूत्रस्य व्याख्या/) विषयविवेचनम्)	04	02	02ह्ल10=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

सप्रयोगिकम्

ऋग्वेदवत्(सर्ववेदसाधारणम्) **100**

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) स्वशास्त्रीय निबन्धः

(गवामयनम्, स्वर सामः, आयुष्टोम, गोष्टोमः, ज्योतिष्टोमः, व्यूढ़द्वादशाह, श्येनयागः, द्विषोडशी, इषुयाग, बृहस्पतिसवः, गोसवः, पुनःस्तोभः, चतुष्टोमः, संदेशः, वज्रकर्म, अतिरात्राणि, द्विरात्राणि, त्रिरात्राणि, चतूरात्रम्, पंचरात्रम्, षडह, नवरात्रम्, अष्टरात्रम्, त्रयोदशरात्रम्, शतरात्रमत्रम्, महाव्रतम्, उदयनीयातिरात्रम्, स्तोभा, भरतद्वादशाह, वाचस्तोभः, सुकराजातयः, पुरस्ताज्योतिः, पौण्डरीकयागः, संसदामनयनम्, विभागसाम, सुज्ञानसाम, ब्रह्मत्वम्, बहिष्पवमानः, निधनभक्तिः, इडाभक्तिः, अकोतिरात्रम्)

(ख) स्वशास्त्रीय इतिहासः 25

(ग) स्वशास्त्रीय व्युत्पत्तिः 25

(घ) देवशास्त्रम् 25

सहायक ग्रन्थाः

ऋग्वेदवत्

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व05=05
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व05=05
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व05=05
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
(घ) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व05=05
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

6. सामवेदः (जैमिनीयशाखीयः)

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **जैमिनीयब्राह्मणम्** प्रथम काण्डस्य 251–360 कण्डिकाः 40

(ख) **जैमिनीयश्रौतसूत्रम्** कल्प–परिशेष खण्डौ 40

(ग) **जैमिनीयसामगानम्** अरण्यगानमात्रम् 20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **सामतन्त्रम् सम्पूर्णम्** **40**

(ख) **छान्दोग्योपनिषद्** 5–8 अध्यायाः 30

(ग) **लाट्यायनीयं श्रौतसूत्रम्** सोमप्रकरणान्तम् 30

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

सप्रायोगिकम् ऋग्वेदवत् **100**

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **सामवेदीयजैमिनीयशाखीय निबन्धः** 25

(ख) **सामवेदीयजैमिनीयशाखीय इतिहासः** 25

(ग) **सामवेदीयजैमिनीयशाखीय व्युत्पत्तिः** 25

(घ) **देवशास्त्रम्** 25

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

7. अथर्ववेदः

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

(क) **अथर्ववेदसंहितायाः** 11-14 काण्डानां सायणभाष्यम् 40

(ख) **वैतानश्रौतसूत्रम् शोभादित्यभाष्यमयुतम्** उत्तरार्द्धम् 40

(ग) **अथर्ववेदीयभाष्यभूमिका** सायणीया 20

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः(मन्त्रणामर्थः)	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मकाः (मन्त्रव्याख्या/पारिभाषिकशब्दाः)	04	02	02ह्न05=10
निबन्धात्मकाः (सूक्तद्वयस्य) (सारांशः/विषयविवेचनम् वा)	04	02	02ह्न10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (सूत्रार्थः)	06	03	03ह्न02=06
लघूत्तरात्मकाः (सूत्रद्वयस्य व्याख्या)	02	01	01ह्न05=05
निबन्धात्मकाः (सूत्रद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्न05=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्) (प्रकरणविशेषस्य परिचय)	02	01	01ह्न19=19
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्न02=04
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्न06=06
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न10=10

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

(क) **अथर्ववेदसंहितायाः प्रथमाकण्डस्य पदपाठः** **40**

(ख) **अथर्ववेदकर्मजव्याधिनिरोधः** **30**

(ग) **चतुरध्यायिका 3-4 अध्यायौ** **30**

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह05=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह05=10
निबन्धात्मकाः	10	05	05ह04=20
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः (सूक्तस्य पदपाठः)	02	01	01ह20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (श्लोकनामर्थः)	06	03	03ह02=06
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह07=14
निबन्धात्मकाः (प्रकरणविशेषस्य परिचय)	02	01	01ह10=10
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (सूत्राणामर्थः)	10	05	05ह02=10
लघूत्तरात्मकाः (पंचानां सूत्राणां व्याख्या)	10	05	05ह04=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

सप्रायोगिकम्

(क) ऋग्वेदवत् (सर्ववेदसाधारणम्) 100

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

(क) स्वशास्त्रीय निबन्धः **25**

(पुनराधेयः, अग्न्याधेयह्व, पशुबन्धः, अतिरात्रम्, वाजपेयः, सौत्रामणि, पाकयज्ञ, हविर्यज्ञ, गवामयनम्, चित्राकर्म, सुभद्रकर्म, रसकर्म, स्त्रीकर्माणि, वशीकरणानि, स्वपनकर्म, सौभाग्यकरणम्, सवयज्ञाः, अद्भुतकर्म, आज्यतन्यम्, अष्टकातन्त्रम्, इन्द्रमहोत्सव, मधुपर्कः, विज्ञानकर्म, कृषिकर्म, सौमनस्यकरणम्, अद्भुतशान्तिः कृत्याप्रयोग, राज्याभिषेकः, भैषज्यकर्माणि, पुष्टिकर्माणि)

(ख) स्वशास्त्रीय इतिहासः 25

(ग) स्वशास्त्रीय व्युत्पत्तिः 25

(घ) देवशास्त्रम् 25

सहायक ग्रन्थाः

ऋग्वेदवत्

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व05=05
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व05=05
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व05=05
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
(घ) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व05=05
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः 30

8. पौरोहित्यम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **शुक्लयजुर्वेदसंहितायाः** 4-6 अध्यायानां सस्वरपाठः 40

(ख) **शुक्लयजुर्वेदसंहितायाः** 11-12 अध्यायौ महीधरभाष्यम् 30

(ग) **आशौचनिर्णयः** पं. नागेश्वर पन्त 30

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः(मन्त्रपूर्तिः)	04	02	02ह्व05=10
लघूत्तरात्मकाः (पंचानां मन्त्राणा सस्वरलेखनम्)	10	05	05ह्व02=10
निबन्धात्मकाः (प्रत्यध्यायात् चत्वारः मन्त्राः)	08	04	04ह्व05=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः (मन्त्राणामर्थः)	06	03	03ह्व02=06
लघूत्तरात्मकाः (मन्त्रव्याख्या)	04	02	02ह्व07=14
निबन्धात्मकाः (अध्यायस्य सारांशः)	02	01	01ह्व10=10

(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मकाः (विषयद्वयस्य प्रतिपादनम्)	04	02	02ह्न10=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **संस्कारगणपतिः** सम्पूर्णम् 40

(ख) **गौतमधर्मसूत्रम्** 30

(ग) **कात्यायनश्रौतसूत्रम्**- 1-3 अध्यायाः कर्कभाष्यम् 30

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः(प्रकरणात्)	04	02	02ह्न05=10
लघूत्तरात्मकाः (व्याख्या)	04	02	02ह्न05=10
निबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	02	01	01ह्न20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्न02=06
लघूत्तरात्मकाः (सूत्रद्वयस्य व्याख्या)	04	02	02ह्न07=14
निबन्धात्मकाः (विषयविवेचनम्)	02	01	01ह्न10=10
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मकाः (सूत्रद्वयस्य व्याख्या विषयविवेचनं वा)	04	02	02ह्न10=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

सैद्धान्तिकम्

(क) **बृहद्देवता** 1-2 अध्यायौ शौनकीया 20

(ख) **प्रतिष्ठा-प्रकाशः** आचार्य चतुर्थीलालः 20

(ग) **मनुस्मृतिः** 1-2 अध्यायौ 20

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मकाः (व्याख्यादेवतापरिचयश्च)	10	05	05ह्न02=10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः (प्रतिष्ठाया विधिः)	02	01	01ह्न20=20

(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः (प्रकरणात्)	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः (श्लोकत्रयस्य व्याख्या)	02	01	01ह्व10=10

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः100**

(क) पौरोहित्यविषयकइतिहासः **40**

(ख) पौरोहित्यविषयकनिबन्धाः **40**

(ग) पौरोहित्यविषयकव्युत्पत्तिः **20**

सहायक ग्रन्थाः

1. **कात्यायन यज्ञपद्धति विमर्शः**
2. **वैदिक साहित्य एवं संस्कृति**

याज्ञिक न्यायमाला-पं. गोपालचन्द्र मिश्र

भारतीयकर्मकाण्डस्वरूपाध्ययनम्-विन्ध्येश्वरी प्रसाद त्रिपाठी

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्व02=06
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व14=14
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व02=04
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व06=06
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः 30

10. वेदविज्ञानम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) यज्ञसरस्वती- पं. मधुसूदन ओझा 30

(ख) शतपथब्राह्मणम् विज्ञानभाष्यम् प्रथमकाण्डम् 70

पं. मोतीलाल शर्मा

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **श्रीमद्भगवद्गीता विज्ञानभाष्यम्** (आचार्यकाण्डम्) 30
पं. मधुसूदन ओझा

(ख) **शतपथब्राह्मण विज्ञान** भाष्यम् द्वितीय काण्डाम् 40
पं. मोतीलाल शर्मा

(ग) **गीताविज्ञानभाष्यभूमिका** ज्ञानयोग-पं. मोतीलाल शर्मा 30

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **श्रीमद्भगवद्गीता हृदयकाण्डम्** पं. मधुसूदन ओझा 30

(ख) **गीताविज्ञानभाष्यम् भक्तिपरीक्षा**- पं. मोतीलाल शर्मा 30

(ग) **शतपथब्राह्मण विज्ञानभाष्यम्**- तृतीयकाण्डम्, पं. मोतीलाल शर्मा 40

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः100**

(क) **ब्रह्मचतुष्पदी**- पं. मधुसूदन ओझा 30

(ख) **गीताविज्ञानभाष्यम्** (बुद्धियोगपरीक्षा) पं. मोतीलाल शर्मा 30

(ग) **शतपथब्राह्मण विज्ञानभाष्यम्** चतुर्थकाण्डम् 40

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

टिप्पणी- नियमितरूपेणाध्ययनरतानां तेषां छात्राणां कृते लघूशोधप्रबन्धः गृहीतव्यो भविष्यति ये आचार्यप्रथमवर्षे पंचपंचाशत् अङ्कान् लप्स्यन्ते।

11. गणितज्योतिषम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) **सिद्धान्तशिरोमणिः (सूर्यग्रहणवासनान्तम्)** ले.:- भास्कराचार्यः 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **सिद्धान्ततत्त्वविवेकः** **70**
(चन्द्रग्रहणसूर्यग्रहण बिम्बाधिकारमात्रम्)

(ख) **चिकित्साज्योतिषम्** लेखक- डॉ. भास्कर शर्मा 'श्रोत्रिय' **30**

1. ग्रहाणां मानवोपरि प्रभाव:, कालपुरुषाङ्गानि, ज्योतिषे रोगा:।
2. रोगोत्पत्तिकारणानि, आयुर्वेदज्योतिषयो: सम्बन्ध:
3. रोगनिर्धारकतत्त्वानि, रोगकारकस्थानानि, रोगाणां वर्गीकरणम्।
4. विविधरोगकारकयोगा: (जातकपारिजातस्य जातकभंगाध्याय: तथा च प्रश्नमार्गस्य त्रयोदशसंख्यक: अध्याय:)।
5. विविधोपचारा:, मणिमन्त्रौषधिशान्तिविधानानि।

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	14	07	07ह्व02=14
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व06=24
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व07=14
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व18=18
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्व02=06
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व07=14
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्का: 100**

सैद्धान्तिकम् **60**

(क) **धराभ्रम:** – डॉ. विनोद शर्मा **30**

(ख) **बृहत्संहिता** (वृक्षायुर्वेदवास्तुविद्याध्यायौ) **30**

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्व02=06
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व07=14
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्व02=06
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व07=14
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10

प्रायोगिकम् **40**

(निर्धारितपाठ्यग्रन्थानुसारम् प्रायोगिककार्यम्)

पंचमप्रश्नपत्रम्:- **पूर्णाङ्काः 100**

(क) गणितज्योतिषस्येतिहासः **40**

(ख) गणितज्योतिषशास्त्रीयनिबन्धाः व्युत्पत्तयश्च **60**

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्न02=08
लघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्न06=18
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्न07=14
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्न02=06
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्न07=14
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्न02=06
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्न07=14
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न10=10

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

12. सिद्धान्तज्योतिषम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) भाभ्रमरेखानिरुपणम् लेखकः- सुधाकर द्विवेदी 30

(ख) दीर्घवृत्तलक्षणम् (सम्पूर्णम्) लेखकः- सुधाकर द्विवेदी 40

(ग) प्रतिभाबोधकम् लेखक- सुधाकर द्विवेदी 30

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्न02=06
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्न07=14
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न10=10

(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्व02=06
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व07=14
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

केतकीग्रहगणितम् लेखक– वेंकटेशबापूकेतकरः 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) स्वशास्त्रीयेतिहासः **30**

(ख) स्वशास्त्रीयनिबन्धाः, व्युत्पत्तयश्च **30**

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

प्रायोगिकम्

पाठ्यांशः (गणितज्योतिषानुसारेण)

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

सिद्धान्ततत्त्वविवेकः (बिम्बाधिकारतः महाप्रश्नाधिकारान्तम्)

लेखकः– कमलाकर

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

अथवा

लघुशोधप्रबन्ध

13. फलितज्योतिषम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः100**

जातकपारिजातः

(आदितः जातकभंगाध्यायपर्यन्तम्) लेखकः वैद्यनाथः 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

जातकपारिजातः (राजयोगाध्यायतः समाप्तिपर्यन्तम्) 100

लेखकः –वैद्यनाथ

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) पादरेखा विज्ञानम् **30**

(ख) षट्पञ्चाषिका (सम्पूर्णम्) **30**

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्व02=06
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व07=14
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्व02=06
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व07=14
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10

प्रायोगिकम् 40

निर्धारितपाठ्यग्रन्थानुसारम्

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **फलितज्यौतिषस्य इतिहासः** 40

(ख) **फलितज्यौतिषशास्त्रीयनिबन्धाः**

(आजीविका-रोग-राजयोग-नाभसयोगायुर्विचाराश्च) 30

2. **फलितज्यौतिषशास्त्रीया व्युत्पत्तयः** 30

(पञ्चाङ्गसाधन-षड्वर्ग-द्वादशभाव-रेखाष्टक-षड्बलसाधनम्)

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व02=08
लघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्व06=18
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व07=14
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्व02=06
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व07=14
निबन्धात्मकाः	04	01	01ह्व10=10
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	06	03	03ह्व02=06
लघूनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व07=14
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

14. सामुद्रिकज्योतिषम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

(क.) **सामुद्रिकचिन्तामणिः** 60

(ख.) **खेटकौतुकम्** 40

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	01	02ह्व10=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

(क) मयूरचित्रकम् 40

(ख) उत्तरकालामृतम् लेखकः– कविकालिदासः **60**

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
अतिविस्तृतनिबन्धात्काः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

(क) स्वशास्त्रीयेतिहासः 30

(ख) स्वशास्त्रीयनिबन्धाः व्युत्पत्तयश्च 30

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

प्रायोगिकम् **40**

राशिनक्षत्राधारेण आकृतेः निर्णयः, आकृत्यानुसारं जातकस्य मनस्थितेः ज्ञानं, तिलविचारः, फलितविवेचनं, पौराणिकं सामुद्रिकचिन्तनम्। अंगानां वृद्धिक्षयाधारेणफलित-निरूपणम्।

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **विष्णुधर्मोत्तरपुराणम्** (सामुद्रिकप्रकरणम्) 50

(ख) **अग्निपुराणम्** (सामुद्रिकप्रकरणम्) 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

15. वास्तुविज्ञानम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **अपराजितपृच्छा** 60

(ख) **अग्निपुराणम्** (40-53, 68, 70 अध्यायाः) 40

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
अतिविस्तृतनिबन्धात्मका	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=10

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) आधुनिकभवननिर्माणपद्धतिः 50

(ख) मानचित्रनिर्माणविधिः 20

(ग) वास्तुशान्तिविधानम् 30

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) स्वशास्त्रीयेतिहासः 30

(ख) स्वशास्त्रीयनिबन्धाः, व्युत्पत्तयश्च 30

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह05=10
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह10=10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह10=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह20=20

प्रायोगिकम् **40**

जन्मांगानुसारं भवननिर्माणविचारः, वास्तुदोषनिर्णयः, गृहं परितः वृक्षारोपणविचारः आधुनिकवास्तुविधीनां आर्किटेक्ट, फेंगसुई-पिरामिड्-इत्यादिकानां परिचयः, निर्मितानां भवनानां परीक्षणं शुभाशुभकथनं च। आदर्शमानचित्रनिर्माणं, भवननिर्माणोपयोगिवस्तूनि।

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

(क) **विष्णुधर्मोत्तरपुराणम्** (वास्तुप्रकरणम्) 50

(ख) **वास्तुमाणिक्यरत्नाकरः** 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह02=10
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह05=20
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह10=20
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह20=20

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

16. धर्मशास्त्रम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **व्यवहारमयूखः** -नीलकण्ठ कृतः 50

(ख) **कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम्** (5-12 अधिकरणानि) 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मका	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) **याज्ञवल्क्यस्मृतिः** (प्रायश्चित्ताध्यायः) मिताक्षरा टीका सहिताः 50

(ख.) **वीरमित्रोदयः** शुद्धि प्रकाशः मित्रमिश्र कृतः 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मका	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम **पूर्णाङ्काः 100**

(क) आचारमयूखः नीलकण्ठकृतः चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान 50

(ख) नीति मयूखः नीलकण्ठकृतः चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
अतिविस्तृतनिबन्धात्मका	02	01	01ह्व20=20

(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05×02=10
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04×05=20
निबन्धात्मकाः	04	02	02×10=20

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

(क) धर्मशास्त्रीयनिबन्धाः 50

(ख) धर्मशास्त्रस्येतिहासः 50

सहायक ग्रन्थाः-

1. धर्मशास्त्र का इतिहास (1-5 भाग) पी. वी. काणे
2. धर्मसिन्धुः
3. निर्णयसिन्धुः

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05×02=10
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04×05=20
निबन्धात्मकाः	04	02	02×10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05×02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02×10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01×20=20

अथवा

स्वशास्त्रविषयकः लघुशोधप्रबन्धः

टिप्पणी- नियमितरूपेणाध्ययनस्तानां तेषां छात्राणां कृते लघूशोधप्रबन्धः गृहीतव्योभविष्यति ये आचार्यप्रथमवर्षे पंचपंशात् अङ्कान लप्स्यन्ते।

17. नव्यव्याकरणम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

लघुशब्देन्दुशेखरः (स्त्रीप्रत्ययप्रकरणतः अव्ययीभावसमासपर्यन्तम्) 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10×02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04×05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04×10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01×20=20

विषयवस्तुविभागनिर्देशः

१.(क) अतिलघूत्तरात्मकेषु प्रष्टव्येषु विंशतौ प्रश्नेषु स्त्रीप्रत्ययप्रकरणात् षट् प्रश्नाः कारक प्रकरणात् दश प्रश्नाः, अव्ययीभावसमासप्रकरणाच्च चत्वारः प्रश्नाः भविष्यन्ति।

(ख) एते प्रश्नाः संज्ञा-समास-विधि-उदाहरण-पारिभाषिक पदज्ञानविषयकाः, तत्तत्प्रकरणस्थप्रत्यय-विभक्ति-समासविधायकसूत्रविषयकाश्च भविष्यन्ति।

२.(क) लघूत्तरात्मकेषु प्रष्टव्येषु अष्टसु प्रश्नेषु स्त्रीप्रत्ययप्रकरणात् प्रश्नद्वयम्, कारकप्रकरणात् प्रश्नचतुष्ट्यम् अव्ययीभावप्रकरणाच्च प्रश्नद्वयं भविष्यति।

(ख) ऐते प्रश्नाः सूत्रार्थोदाहरणसंगतिपंक्तिविवेचनसम्बद्धाः भविष्यति।

३.(क) निबन्धात्मकेषु प्रष्टव्येषु अष्टसु प्रश्नेषु स्त्रीप्रत्ययप्रकरणात् प्रश्नद्वयं कारकप्रकरणात् प्रश्नचतुष्टयम् अव्ययीभावप्रकरणाच्च प्रश्नद्वयं भविष्यति।

(ख) एते प्रश्नाः ग्रन्थकारमताभिप्रायस्फोरणपुरस्सरसूत्रार्थोदाहरणसहितशेखर-ग्रन्थव्याख्यासम्बद्धाः भवष्यिन्ति।

४.(क) विस्तृतनिबन्धात्मकयोः प्रष्टव्ययोः द्वयोः प्रश्नयोरेकः स्त्रीप्रत्ययाव्ययीभाव-प्रकरणाभ्यामपरश्च कारकप्रकरणाद् भविष्यति।

(ख) एतावुभावपि प्रश्नौ सपदकृत्य-सूत्रार्थ-विश्लेषणपूर्वकप्राचीन-नव्यमता-भिप्रायप्रकाशनपरकसूत्रव्याख्यासम्बद्धौ भविष्यतः।

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

वैयाकरणभूषणसारः **100**

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्र02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्र05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्र10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्र20=20

विषयवस्तुविभागनिर्देशः

१.(क) अतिलघूत्तरात्मकेषु प्रष्टव्येषु विंशतौ प्रश्नेषु धात्वर्थलकारार्थप्रकरणाभ्यां दश प्रश्नाः, सुबर्थनिर्णय-स्फोटनिर्णयपर्यन्तञ्च दश प्रश्नाः भविष्यन्ति।

(ख) एते प्रश्नाः पारिभाषिकपदज्ञानविषयकाः, पदार्थविषयकाश्च भविष्यन्ति।

२. लघूत्तरात्मकेषु प्रष्टव्येषु अष्टसु प्रश्नेषु धात्वर्थलकारार्थप्रकरणाभ्यां प्रश्नद्वयम्, सुबर्थनिर्णयतः स्फोटनिर्णयपर्यन्तभागाच्च षट् प्रश्नाः भविष्यन्ति।

३.(क) निबन्धात्मकेषु प्रष्टव्येषु अष्टसु प्रश्नेषु धात्वर्थलकारार्थप्रकरणाभ्यां प्रश्नद्वयं, अवशिष्टभागात् षट् प्रश्नाः भविष्यन्ति।

(ख) एते प्रश्नाः ग्रन्थकारमताभिप्रायस्फोरणपुरस्सरकारिकाव्याख्यासम्बद्धाः भवष्यिन्ति।

४.(क) विस्तृतनिबन्धात्मकयोः प्रष्टव्ययोः द्वयोः प्रश्नयोरेकः धात्वर्थलकारार्थप्रकरणाभ्यामपरश्च अवशिष्टभागात् भविष्यति।

(ख) एतावुभावपि प्रश्नौ प्राचीन-नव्यमता-भिप्रायप्रकाशनपरककारिकाव्याख्यासम्बद्धौ भविष्यतः।

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

व्याकरणमहाभाष्यम् (प्रथमतः चतुर्थाह्निकं यावत्) 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

विषयवस्तुविभागनिर्देशः

१.(क) अतिलघूत्तरात्मकेषु प्रष्टव्येषु विंशतौ प्रश्नेषु आदितः द्वितीयाह्निकान्तभागात् द्वादश प्रश्नाः निर्धारितावशिष्टचतुर्थाह्निकान्तभागाद् अष्टौ प्रश्नाः भविष्यन्ति।

(ख) एते प्रश्नाः शब्दस्वरूप-व्याकरणशास्त्रध्ययन-प्रयोजन-उत्सर्ग-अपवादसूत्र-प्रत्याहारसूत्र, शब्दनित्य-अनित्यविषयकाः, पाणिनीयसूत्रार्थ उदाहरण-प्रत्युदाहरण-योगविभागविश्लेषणसम्बद्धाश्च भविष्यन्ति।

२.(क) लघूत्तरात्मकेषु प्रष्टव्येषु अष्टसु प्रश्नेषु आदितः द्वितीयाह्निकान्तभागात् प्रश्नचतुष्टयम्, निर्धारितावशिष्टचतुर्थाह्निकान्तभागाच्च प्रश्नचतुष्टयं भविष्यति।

(ख) एते प्रश्नाः महाभाष्यश्लोक-पंक्ति-वार्तिक-व्याख्यात्मकाः सूत्रार्थोदाहरण-व्याख्यात्मकाश्च भविष्यन्ति।

३.(क) निबन्धात्मकेषु प्रष्टव्येषु अष्टसु प्रश्नेषु आदितः द्वितीयाह्निकान्तभागात् प्रश्नचतुष्टयं निर्धारितावशिष्टचतुर्थाह्निकान्तभागाच्च प्रश्नचतुष्टयं भविष्यति।

(ख) एते प्रश्नाः प्रतिविषयं प्रतिसूत्रं भाष्यं वार्तिकं च अभिलक्ष्य व्याख्यात्मकाः भविष्यन्ति।

४.(क) विस्तृतनिबन्धात्मकयोः प्रष्टव्ययोः द्वयोः प्रश्नयोरेकः आदितः द्वितीयाह्निकान्त-भागदपरश्च निर्धारितावशिष्टचतुर्थाह्निकान्तभागाच्च भविष्यति।

(ख) एतावुभावपि प्रश्नौ शंका-समाधानपुरस्सरसोदाहरण-प्रत्युदाहरण-विश्लेषणात्मक-सूत्रव्याख्यासम्बद्धौ भविष्यतः।

पंचमप्रश्नपत्रम् पूर्णाङ्कः 100

(क) वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्डमात्रम्) 60

(ख) व्युत्पत्तिवादः (अभेदान्वयमात्रम्) 40

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

विषयवस्तुविभागनिर्देशः

१.(क) अलिघूत्तरात्मकेषु प्रष्टव्येषु दशसु प्रश्नेषु आदितः सप्ततिश्लोकान्तभागात् पंच प्रश्नाः अवशिष्टभागाच्च पंच प्रश्नाः भविष्यन्ति।

(ख) एते प्रश्नाः वाक्यपदीयब्रह्मकाण्डस्थदार्शनिकविषयकाः सामान्यप्रश्नाः भविष्यन्ति।

२.(क) लघूत्तरात्मकेषु प्रष्टव्येषु चतुर्षु प्रश्नेषु आदितः सप्ततिश्लोकान्तभागात् द्वौ प्रश्नौ, अवशिष्टभागाच्च द्वौ प्रश्नौ भविष्यतः।

(ख) एते प्रश्नाः श्लोकव्याख्यात्मकाः भविष्यन्ति। प्रतिप्रश्नम् एकस्य श्लोकस्य व्याख्या प्रष्टव्या।

३.(क) निबन्धात्मकेषु प्रष्टव्येषु चतुर्षु प्रश्नेषु आदितः सप्ततिश्लोकान्तभागात् द्वौ प्रश्नौ, अवशिष्टभागाच्च द्वौ प्रश्नौ भविष्यतः।

(ख) एते प्रश्नाः कारिकासंदर्भसहितमुख्यप्रतिपादकविषयविवेचनसम्बद्धाः भविष्यन्ति।

४.(क) विस्तृतनिबन्धात्मकयोः प्रष्टव्ययोः द्वयोः प्रश्नयोरेकः आदितः सप्ततिश्लोकान्त-भागादपरश्च अवशिष्टभागाद् भविष्यति।

(ख) एतावुभावपि प्रश्नौ ग्रन्थकाराभिमतशब्दब्रह्मस्वरूप-शब्दशक्तिव्याकरणाध्ययन-प्रयोजन-स्फोट-ध्वनि-शब्दार्थसम्बन्धनिरूपणविषयकौ भविष्यतः।

अङ्क विभाजनम्

(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

विषयवस्तुविभागनिर्देशः

१.(क) अतिलघूत्तरात्मकाः प्रष्टव्याः दश प्रश्नाः अभेदान्वयमात्रभागाद् भविष्यन्ति।

(ख) एते प्रश्नाः व्युत्पत्ति-अभेदसम्बन्ध-शाब्दबोध-वाक्यार्थबोधविषयक सामान्यज्ञानसम्बद्धाः भविष्यति।

२.(क) लघूत्तरात्मकाः प्रष्टव्याः चत्वारोऽपि प्रश्नाः अभेदान्वयमात्रभागाद् भविष्यन्ति।

(ख) एते प्रश्नाः पंक्ति-व्युत्पत्ति-उदाहरणसंगतिविषयकाः भविष्यन्ति।

३.(क) निबन्धात्मकाः प्रष्टव्याः चत्वारोऽपि प्रश्नाः अभेदान्वयमात्रभागाद् भविष्यन्ति।

(ख) एते प्रश्नाः सोदाहरण-व्यत्पत्तिसंघटन-पूर्वकव्याख्यात्मकाः सप्रमाण-युक्त-अयुक्तत्वनिर्णयसम्बद्धाश्च भविष्यन्ति।

अथवा

स्वशास्त्रविषयको लघुशोधप्रबन्धः। **100**

18. प्राच्य व्याकरणम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

(क) व्याकरण महाभाष्यम् (सप्तमोऽध्यायः) 40

(ख) परमलघुमंजूषा 40

(ग) नन्दिकेश्वर काशिका 20

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्न05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्न10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	04	04ह्न05=10
निबन्धात्मकाः	04	04	02ह्न10=20
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्न05=10
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न10=10

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

(क) व्याकरण महाभाष्यम् (अष्टमोध्यायः) 50

(ख) न्यायसिद्धान्तमुक्तावलीः (श्री विश्वनाथः) 50

(प्रत्यक्षशब्दखण्डमात्रम्)

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	06	03	03ह्व10=30
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	06	03	03ह्व10=30

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः100**

(क) **प्राच्यव्याकरणनिबन्धाः** 50

(ख) **व्याकरणशास्त्रस्यालोचनात्मकेतिहासः**

(ग) **वैयाकरणभूषणसारः** 50

अंक विभाजनम्

(क व ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	06	03	03ह्व10=30
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	06	03	03ह्व10=30

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः100**

(क) **शब्दकौस्तुभः** (द्वितीयोऽध्यायः) 40

(ख) **व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः** 30

(ग) **प्रौढ़मनोरमा** (स्वादि पर्यन्ता) 30

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	02ह्व05=10
विस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=10

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः **100**

साहित्य-संस्कृतिसंकायः

19. साहित्यम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् - **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **रसगङ्गाधरः** (प्रारम्भतः रसप्रकरणान्तम्) 60

(ख) **रसगङ्गाधरः** (गुणप्रकरणतः उपमाप्रकरणान्तम्) 40

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
विस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	01	02ह्व10=20

(क) **वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः- टिप्पणीद्वयम्**
व्याख्यानात्मकौ प्रश्नौ
विषयवस्तुपरकः प्रश्नः

(ख) **वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः**- टिप्पणीद्वयम्, व्याख्यानात्मकौ प्रश्नौ

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क.) **काव्यप्रकाशः** (9-10 उल्लासौ)-आचार्यमम्मटः 30

(ख.) **नैषधीयचरितम्** (1-2 सर्गौ)-श्रीहर्षः 58

(ग.) **पद्यरचना** (इन्द्रवजा-उपेन्द्रवजा-उपजाति-द्रुतविलंबित-वंशस्थ-भुजंगप्रयात-मालिनीछन्दःसु पद्यरचना) 12

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
व्याख्यात्मकप्रश्नाः			
1. प्रथमसर्गतः	04	02	02ह्व07=14
2. द्वितीयसर्गतः	04	02	02ह्व07=14
(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
1. पद्यद्वयस्य रचना	04	02	02ह्व06=12

(क) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः– उदाहरणद्वये अलङ्कारलक्षणसंगतिः
नवमोल्लासात् विषयवस्तुपरकः प्रश्नः

(ख) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः– ससन्दर्भश्लोकव्याख्याद्वयम्
कविकृतिकथासारविषयकः प्रश्नः

(ग) विषयविशेषे भिन्नछन्दोद्वये पद्यरचना

चतुर्थप्रश्नपत्रम् – **पूर्णाङ्काः100**

(क) **काव्यमीमांसा** (प्रथमाधिकरणम् प्रथमतः पंचमाध्यायपर्यन्तम्) 25

(ख) **मुद्राराक्षसम्** (सम्पूर्णम्) विशाखदत्तः 60

(ग) **नाट्यशास्त्रम्** (प्रथमाध्यायः) भरतमुनिः 15

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	14	02	02ह्व2.5=05
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघूनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
व्याख्यात्मकप्रश्नाः	08	04	04ह्व7.5=30

(ग) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	02	01	01ह्व05=05

(क) **टिप्पणी –** विषयवस्तुपरकौ प्रश्नौ
नवमोल्लासात् विषयवस्तुपरकः प्रश्नः

(ख) **वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः–** श्लोकव्याख्याद्वयम्
अङ्कसारं चरित्रचित्रणं वा विषयीकृत्वा
एकः प्रश्नः, कविकृतिविषयवस्तुपरकः प्रश्नः

(ग) **वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः** टिप्पणी
कारिकाव्याख्यात्मक प्रश्नः

अथवा

विशेषकवि–अध्ययनम् (अधोल्लिखितेषु कश्चन एकः)
आदिकविवाल्मीकिः, भासः, कालिदासः, भारविः, माघः, बाणभट्टः

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

पञ्चमप्रश्नपत्रम् – **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **ध्वन्यालोकः** (3–4 उद्योतौ) 40

(ख) **काव्यतत्वविमर्शः –** 60

काव्यशास्त्रीयतत्त्वानां (रसालङ्काररीति वक्रोक्तिध्वनि ओचित्यतत्त्वानां विश्लेषणात्मकध्ययनम्)

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

(क) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः– टिप्पणीद्वयम्
कारिकाव्याख्या विषयवस्तुपरकप्रश्नश्च

(ख) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः– टिप्पणीद्वयम्, (कौचित् सम्प्रदायौ विषयीकृत्य)
काभ्याञ्चित् सम्प्रदायाभ्यां विषयवस्तुपरकौ प्रश्नौ
पञ्चाङ्कात्मके दशाङ्कात्मके च प्रश्नप्रकारे
अपृष्टात् सम्प्रदायात् विषयवस्तुपरकः प्रश्नः

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

20. पुराणेतिहासः

द्वितीयप्रश्नपत्रम् – **पूर्णाङ्काः 100**

(क) श्रीमद्भागवतम् (दशमस्कन्धोत्तरार्द्धम्) 60

(ख) देवीभागवतम् (3 तः 4 स्कन्धपर्यन्तम्) 40

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघूनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

(क) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः– टिप्पणीद्वयम् अंशद्वयव्याख्या
विषयवस्तुपरकः प्रश्नः

(ख) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः– टिप्पणीद्वयम्, अंशद्वयव्याख्या

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्का:100**

(क) अग्निपुराणम् (वास्तुप्रकरणम्–अध्याय 92 त: 106 पर्यन्तम्) 60

(ख) पौराणिकराजवंशानुकीर्तनम्–लेखक: श्रीकृष्णमणित्रिपाठी 40
चौखम्बाप्रकाशनम्, वाराणसी

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मका:	04	02	02ह्व05=10
लघूनिबन्धात्मका:	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मका:	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मका:	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मका:	04	02	02ह्व10=20

(क) वस्तुनिष्ठा: प्रश्ना:– टिप्पणीद्वयम् अंशद्वयव्याख्या विषयवस्तुपरक: प्रश्न:

(ख) वस्तुनिष्ठा: प्रश्ना:– टिप्पणीद्वयम्, अंशद्वयव्याख्या

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्का:100**

(क) स्वविषयकनिबन्धा: 50

(ख) स्वविषयकेतिहास: 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मका:	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मका:	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मका:	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मका:	04	02	02ह्व10=20

(क) वस्तुनिष्ठा: प्रश्ना:– टिप्पणीचतुष्टयम् विषयवस्तुपरक: प्रश्न:

(ख) वस्तुनिष्ठा: प्रश्ना:– टिप्पणीचतुष्टयम् इतिहाससम्बद्धौ द्वौ प्रश्नौ

पंचमप्रश्नपत्रम्- **पूर्णाङ्काः100**

(क) लिङ्गपुराणम् (1 तः 20 अध्यायपर्यन्तम्) 60 अंक

(ख) पौराणिकः अवतारवादः 40 अंक

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघूनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

(क) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः:- टिप्पणीद्वयम् अंशद्वयव्याख्या विषयवस्तुपरकः प्रश्नः

(ख) वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः:- टिप्पणीद्वयम्, अंशद्वयव्याख्या

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

21. प्राचीनराजनीतिशास्त्रम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) शुक्रनीतिः (षष्ठं प्रकरणम्) 20

(ख) शुक्रनीतिः (सप्तमप्रकरणम्) 80

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघूनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व10=10
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघुनिबन्धात्मकाः	06	03	03ह्व10=30
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

(क) **वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः–** व्याख्यानात्मकः प्रश्नः

(ख) **वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः–** टिप्पणीद्वयम्, व्याख्यानात्मकप्रश्नत्रयम्
विषयवस्तुपरकः प्रश्नः

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **अग्निपुराणम्** (223 अध्यायतः 228 अध्यायपर्यन्तम्) 40

(ख) **अग्निपुराणम्** (237 तमम् अध्यायं विहाय 234 तः 242 अध्यायपर्यन्तम्) 60

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघूनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

(क) **वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः**– टिप्पणीद्वयम् अंशद्वयव्याख्या

(ख) **वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः**– टिप्पणीद्वयम्, अंशद्वयव्याख्या विषयवस्तुपरकः प्रश्नः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **चाणक्यराजनीतिशास्त्रम्** (अष्टमाध्यायः) 60

(ख) **चाणक्यसारसंग्रहः** 40

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघूनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

(क) **वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः**– टिप्पणीद्वयम् अंशद्वयव्याख्या विषयवस्तुपरकः प्रश्नः

(ख) **वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः**– टिप्पणीद्वयम्, व्याख्यानात्मकौ प्रश्नौ

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

(क) **स्वशात्रस्येतिहासः** (वैदिकसाहित्यादारभ्य आधुनिकसाहित्यं यावद् राजनीतिसम्बद्धानां ग्रन्थानामध्ययनम् तत्र ऋग्वेद–उपनिषद्–पुराण–स्मृति–चाणक्यनीति–विदुरनीतीत्यादीनां विशिष्टाध्ययनम्) 50

(ख) **भारतीयराजशास्त्रप्रणेतारः** (मनुः, याज्ञवल्क्यः, चाणक्यः, आचार्यबृहस्पतिः, शुक्रः, कामन्दकः, सोमदेव इत्यादयः) 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

(क) **वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः**– व्याख्यात्मकौ प्रश्नौ विषयवस्तुपरकः प्रश्नः

(ख) **वस्तुनिष्ठाः प्रश्नाः**– टिप्पणीचतुष्टयम् व्यक्तिकृतिविषयवस्तुपरकौ प्रश्नौ

दर्शनसंकायः

22. सामान्यदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् – **पूर्णाङ्काः 100**

कठोपनिषद्भाष्यम् 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

ब्रह्मसूत्रभाष्यम् (प्रथमाध्यायस्य प्रथमः पादः)

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् (सर्वदर्शनानां कृते सामान्यम्) **पूर्णाङ्क 100**

पाश्चात्त्यदर्शनस्य सामान्यज्ञानम्

(सुकरात, प्लेटो, अरस्तु, देकार्त, लॉक, हीगल एतेषां दार्शनिकसिद्धान्ताः)

सन्दर्भग्रन्थाः

१. आधुनिकप्रतीच्यप्रमाणमीमांसा–अरिन्दम चक्रवर्ती राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति।
२. पाश्चात्यदर्शनस्येतिहासः श्री पुल्लेल रामचन्द्रडु, हैदराबाद।
३. पाश्चात्य दर्शन का इतिहास (दो भागों में) दयाकृष्ण राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
४. पाश्चात्य दर्शन–सी. डी. शर्मा
५. पाश्चात्यदर्शनस्य समीक्षात्मकविश्लेषणम्– डी. आर. जाटव
६. पाश्चात्यदर्शनस्येतिहासः– गुलाबराय

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

पञ्चम्प्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

दर्शनिकतत्त्वानां समीक्षा–(क) ईश्वरजीवजगद्विचारः। (ख) कार्यकारण-भावविचारः। (ग) प्रमाणविमर्शः। (घ) ज्ञानस्वरूपं तत्प्रमाणञ्च। (ङ) आत्मविमर्शः। (च) विभिन्नदर्शनेषु बन्धमोक्षस्य च स्वरूपम्। (छ) भारतीयदर्शनस्य मूलतत्त्वं तस्य तुलनात्मकमध्ययनं च।

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्न02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्न05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्न10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

23. अद्वैतवेदान्तदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) अद्वैतसिद्धिः (आगमबाधोद्धारपर्यन्तम्) 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्न02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्न05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्न10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

ब्रह्मसूत्रभाष्यम् (तृतीयाध्यायः)

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्न02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्न05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्न10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् (सर्वदर्शनानां कृते सामान्यम्) **पूर्णाङ्काः 100**

पाश्चात्त्यदर्शनस्य सामान्यज्ञानम्

(सुकरात, प्लेटो, अरस्तु, देकार्त, लॉक, हीगल एतेषां दार्शनिकसिद्धान्ताः)

सन्दर्भग्रन्थाः

१. आधुनिकप्रतीच्यप्रमाणमीमांसा–अरिन्दम चक्रवर्ती राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति।

२. पाश्चात्यदर्शनस्येतिहासः श्री पुल्लेल रामचन्द्रडु, हैदराबाद।

३. पाश्चात्य दर्शन का इतिहास (दो भागों में) दयाकृष्ण राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

४. पाश्चात्य दर्शन–सी. डी. शर्मा

५. पाश्चात्यदर्शनस्य समीक्षात्मकविश्लेषणम्– डी. आर. जाटव

६. पाश्चात्यदर्शनस्येतिहासः– गुलाबराय

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

सामान्यदर्शनस्य पंचमप्रश्नपत्रवत्

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

24. मीमांसादर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) शाबरभाष्यम् (प्रथमाध्याये आद्यपादद्वयम्) 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

भाट्टरहस्यम् (द्वितीयाकारकान्तम्)

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम्– (सामान्यदर्शनस्य चतुर्थप्रश्नपत्रत्) **पूर्णाङ्काः 100**

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

सामान्यदर्शनस्य पंचमप्रश्नपत्रत्

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

25. न्यायवैशेषिकदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

शब्दशक्तिप्रकाशिका (नामप्रकरणान्तम्) **100**

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

वैशेषिकसूत्रोपस्कारः 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्व10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् (सामान्यदर्शनस्य चतुर्थप्रश्नपत्रवत्) **पूर्णाङ्क 100**

पञ्चमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

सामान्यदर्शनस्य पञ्चमपत्रवत्।

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

26. निम्बार्कदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) अध्यासगिरिव्रजः (प्रथमोध्यायः) 60

लेखकः श्रीमाधवमुकुन्ददेवाचार्यः

(ख) छान्दोग्योपनिषत् 5–8 अध्यायः (उपनिषद्प्रकाशिका सहितम्) 40

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) **अध्यासगिरिव्रजः** (2-4 अध्यायाः) 60
लेखकः माधवमुकुन्द देवाचार्यः

(ख) **वृहदारण्यकोपनिषत्** (1-3 अध्यायः) 40
(उपनिषत्प्रकाशिकासहिता)

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	10ह्व02=20
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	04	02	02ह्व05=10
निबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् (सामान्यदर्शनस्य चतुर्थप्रश्नपत्रत्) **पूर्णाङ्क 100**

पञ्चमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

सामान्यदर्शनस्य पञ्चमपत्रवत्।

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

27. बल्लभदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) **ब्रह्मसूत्रम्** (अणुभाष्यसहितम् 3–4 अध्यायौ) 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्न02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्न05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्न10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

बृहदारण्यकोपनिषत् (1–3 अध्यायाः) **100**

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्न02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्न05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह्न10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् (सामान्यदर्शनस्य चतुर्थप्रश्नपत्रवत्) **पूर्णाङ्क 100**

पञ्चमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

सामान्यदर्शनस्य पञ्चमपत्रवत्।

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

28. रामानन्ददर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् होरात्रयम् **पूर्णाङ्क 100**

ब्रह्मसूत्रानन्दभाष्यम् (द्वितीयाध्यायः, तृतीयाध्याये आद्यपादद्वयं) 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्न02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्न05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह्न10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

ब्रह्मसूत्रानन्दभाष्यम् 100

(तृतीयाध्याये ३, ४, पादौ, तथा चतुर्थोध्यायः)

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह05=20
निबन्धात्मकाः	08	04	04ह10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् (सामान्य दर्शनस्य चतुर्थप्रश्नपत्रवत्) **पूर्णाङ्क 100**

पञ्चमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

सामान्यदर्शनस्य पञ्चमपत्रवत्।

अथवा

लघुशोधप्रबन्ध

29. रामानुजदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

श्रीभाष्यम् (2-3 अध्यायौ) 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	08	04	04ह10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) न्यायसिद्धाञ्जनम् (प्रथमपरिच्छेदः) 50

(ख) तत्त्वमुक्ताकलापः (नायकसरः) 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह02=10
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह20=20

(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् (सामान्य दर्शनस्य चतुर्थप्रश्नपत्रवत्) **पूर्णाङ्क 100**

पञ्चमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

सामान्यदर्शनस्य पञ्चमपत्रवत्।

अथवा

लघुशोधप्रबन्ध

30. तुलनात्मकदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

धर्मदर्शनम्

१. धर्म दर्शन–स्वरूप, क्षेत्र, परिभाषा, आवश्यकता एवं विधियाँ 10

२. ईश्वर के अस्तित्व के लिए प्रमाण–सृष्टिमूलक प्रमाण, प्रयोजन मूलक, नीतिपरक प्रमाण, धार्मिक अनुभव सम्बन्धी प्रमाण। 10

३. ईश्वर का स्वरूप एवं जगत् के साथ उसका सम्बन्ध 10

४. अशुभ की समस्या–वर्गीकरण, स्वरूप, समाधान 10

५. धर्म और नैतिकता–स्वरूप, सम्बन्ध 10

६. आत्मा की अमरता–अर्थ, वर्गीकरण, प्रामाणिकता, निष्कर्ष 10

७. मोक्ष का स्वरूप एवं उसके साधन। 10

८. सर्व–धर्म समन्वय तथा सार्वभौम धर्म की समस्या 10

९. धर्मनिरपेक्षवाद–कुछ भ्रांतियों का उन्मूलन 10

१०. धार्मिक सहिष्णुता–अर्थ, मुख्य कारण, आवश्यकता, प्रमुख उपाय 10

सन्दर्भ ग्रन्थः

१. धर्म दर्शन की मूलसमस्याएँ- वेद प्रकाश शर्मा हिन्दी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय।

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्काः 100**

समकालीनभारतीयदर्शनम्

१. रवीन्द्रनाथ टेगौर–तत्त्वमीमांसा, ब्रह्म, आत्मा, प्रेम और ज्ञान, माया और जगत्। 20

२. अरविन्द–ब्रह्म और परब्रह्म, ईश्वर, आत्मा, पुरुष, माया, विकासवाद मुक्ति का स्वरूप। 20

३. महात्मा गांधी–परमतत्त्व, आत्मा, नैतिकविचार। 20

४. राधाकृष्णन-ब्रह्म, ईश्वर, जगत्, कर्म और पुनर्जन्म, नैतिक आदर्श।

५. विवेकानन्द-परमसत्ता, आत्मा, माया और जगत्, सृष्टि, भक्ति और मुक्ति का स्वरूप। 20

सन्दर्भ ग्रन्थः

१. भारतीयदर्शन - प्रो. पारसनाथ द्विवेदी, श्रीराम मेहरा एण्ड कम्पनी, आगरा।

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

पाश्चात्यनीतिशास्त्रम्

१. नीतिशास्त्र का स्वरूप, क्षेत्र, सद्गुण, मूल्य अन्य शास्त्रों के साथ सम्बन्ध। 10

२. नैतिकनिर्णय-स्वरूप, विषय, ऐच्छिक कर्म तथा चरित्र। 10

३. प्लेटो अरस्तु का सद्गुण सिद्धान्त, काण्ट का निष्काम कर्मवाद, कर्त्तव्य से कर्त्तव्य का सिद्धान्त संकल्प। 10

४. उपयोगितावाद-परिभाषा, स्वरूप, वैन्थम, मिल, हैनरी सिजाविक। 10

५. सुखवाद-स्वरूप, वर्गीकरण, सिद्धान्त। 10

६. संकल्प स्वातन्त्र्य और नैतिक उत्तरदायित्व, दण्ड से सिद्धान्त। 20

७. अधिनीतिशास्त्र-प्रकृतिवाद, संवेगवाद, परामर्शवाद 20

८. व्यक्ति एवं समाज, स्वार्थवाद एवं परार्थवाद 10

सन्दर्भ ग्रन्थः

१. नीतिशास्त्र के मूलसिद्धान्त वेदप्रकाश शर्मा अलाइड पब्लिशर्स, दिल्ली।

२. अधिनीतिशास्त्र के मूलसिद्धान्त वेदप्रकाश शर्मा अलाइड पब्लिशर्स, दिल्ली।

पंचमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

(क) तर्कशास्त्रम्

१. तर्कशास्त्र की परिभाषा, निगमनात्मक तथा अनुगमनात्मक तर्कपद्धति 10

२. निरुपाधिक तर्कवाक्य-परिमाण, गुण, परम्परागत विरोध वर्ग, प्रतिवर्तन, प्रति परिवर्तन, वेन रेखाचित्र पद्धति में रेखांकन 10

३. निरपेक्ष न्यायवाक्य-वेन रेखाचित्र प्रणाली, आकार व्यवस्था, न्यायुक्ति की वैधता जांचने के नियम एवं पद्धति, युक्ति की वैधता- अवैधता का नियम। 10

४. साधारण भाषा की युक्तियाँ- निरपेक्षन्यायवाक्यों की परीक्षा, वैकल्पिक, न्यायवाक्य, हेतुहेतुमत् न्यायवाक्य, उभयतः पाश। 20

(ख) प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र

१. संयोजन, निषेध, विकल्प और शाब्दिक प्रतिपत्ति का सत्यता, मूल्य। 10

२. वाक्यों का प्रतीकों में रूपान्तर और संयुक्त कथनों का सत्यतामूल्य। 10

३. युक्ति-आकार और युक्ति, वाक्य- आकार और वाक्य, शाब्दिक समता और तार्किक समता, डि मार्गन का सिद्धान्त। 20

४. शाब्दि प्रतिपत्ति के विरोधाभास, विचार के नियम, वैधता का आकारिक प्रमाण, निगमन की पद्धति। 10

सन्दर्भ ग्रन्थः

१. तर्कशास्त्र प्रवेशिका राममूर्ति पाठक अभिमन्यू प्रकाशन, इलाहबाद।
२. तर्कशास्त्र का परिचय इर्वंग एम् कोपि, एशिया बुक एजेंसी, इलाहबाद।
३. तर्कशास्त्र का अध्ययन, अविनाश तिवारी, सरस्वती प्रकाशन, इलाहबाद।
४. सरल निगमन अशोक कुमार वर्मा।

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

31. द्वैतवेदान्तः

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्यम् (पूर्णप्रसज्ञंशोधनमन्दिरम्, बेंगलूरु) 100

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः 1. गाथाव्याख्या	04	02	02ह्व10=20
2. टिप्पणी	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

ब्रह्मसूत्रभाष्यम् (तत्त्वप्रकाशिकासहितम्, द्वितीयाध्यायः)
(श्रीगुरुसार्वभौमप्रकाशनम् धारवाड़)

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
टिप्पणी	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

न्यायसुधा (द्वितीयाधिकरणादारभ्य प्रथमाध्यायः सम्पूर्णः)
(श्रीमदुत्तरादिमठः बेंगलूरु)

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
टिप्पणी	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

पञ्चमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

न्यायामृतम् (सत्त्वनिरुक्तिपर्यन्तम्)

द्वैतवेदान्ताध्ययनसंशोधनप्रतिष्ठानम् बेंगलूरु

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व10=20
टिप्पणी	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

श्रमणविद्यासंकायः

32. जैनदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

प्रवचनसारः (आ. कुन्दकुन्दः) **100**

ज्ञान-ज्ञेयाधिकारौ

प्राप्तिस्थानम् प्रश्रमश्रुत प्रभावक मण्डल, अगास

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः 1. गाथाव्याख्या	04	02	02ह्व10=20
2. टिप्पणी	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

गोम्मटसार:– (आचार्य नेमीचन्द:) 100

(जीवकाण्ड: गणितभागंवर्जितम्)

प्राप्तिस्थानम्:–जैनसंस्कृतिसंरक्षक संघ: सोलापुरम्

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मका:	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मका: 1. गाथाव्याख्या	04	02	02ह्व10=20
2. टिप्पणी	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मका:	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) समयसार: (आ. कुन्दकुन्द:) 50

प्राप्तिस्थानम्– वीर सेवा मन्दिर, जयपुरम्

(ख) नियमसार: (आ. कुन्दकुन्द:) 3 त: 5 अधिकारपर्यन्तम् 50

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मका: पद्यव्याख्या	06	03	03ह्व06=18
लघुनिबन्धात्मका:	02	01	01ह्व12=12
(ख) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मका: पद्यव्याख्या	06	03	03ह्व06=18
लघुनिबन्धात्मका:	02	01	01ह्व12=12

पञ्चमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

राजवार्तिक (अकलंक देव) 5, 6 अधिकारौ

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकार:	**विकल्पा:**	**समाधेया:**	**अङ्का:**
अतिलघूत्तरात्मका:	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मका:	08	04	04ह्व05=20
निबन्धात्मका:	08	04	04ह्व10=40
अतिविस्तृतनिबन्धात्मका:	02	01	01ह्व20=20

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

33. बौद्धदर्शनम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

प्रमाणवार्तिकम् (धर्मकीर्तिकृतम्)

प्रमाणसिद्धिः (प्रथमपरिच्छेदः)

प्राप्तिस्थानम्- बौद्धभारतीप्रकाशनम्, वाराणसी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः व्याख्या	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

तत्त्वसंग्रहः (शान्तिरक्षितकृतः)

ईश्वरपरीक्षाः (आत्मपरीक्षा च)

प्राप्तिस्थानम्- बौद्धभारती प्रकाशनम् वाराणसी,

मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः व्याख्या	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

विशुद्धिमग्गो (द्वितीयभागो) आ. बुद्धघोष

सत्तमो-अष्टमो परिच्छेदो

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः	08	04	04ह्व05=20
लघुनिबन्धात्मकाः व्याख्या	08	04	04ह्व10=40
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

पंचमप्रश्नपत्रम्

बौद्धसंस्कृतिसाहित्येतिहासः त्रिपिटम्, अनुपिटकम्, वंशसाहित्यम्, अट्टकथा।

बौद्धसंस्कृतग्रन्थानाम् परिचयः

बौद्धन्याय : आचार्याणाम् परिचयः

बौद्ध : संगीतयाः

सहायकाः ग्रन्थाः

बौद्धदर्शनम् मीमांसा - (आ. बलदेव उपाध्यायः)

बौद्धधर्म दर्शन (आ. नरेन्द्र देव)

प्राप्तिस्थानम्- चौखम्बा प्रकाशन

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	विकल्पाः	समाधेयाः	अङ्काः
लघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व05=50
लघुनिबन्धात्मकाः	06	03	03ह्व10=30
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

34. प्राकृतजैनागमः

द्वितीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) **प्राकृतम्** 50

मृच्छकटिकम् (प्राकृतभागमात्रम्)

प्राप्तिस्थानम्- मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी

(ख) **जैनागमः** 50

भगवती आराधना (आचार्य शिवकोटी कृतम्) शतगाथामात्रम् प्राप्ति स्थानम्-जैन संस्कृत संरक्षक संघ, सोलापुर।

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः पद्यव्याख्या	06	03	03ह्व06=18
लघुनिबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व12=12
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्व02=20
लघूत्तरात्मकाः पद्यव्याख्या	06	03	03ह्व06=18
निबन्धात्मकाः	04	01	01ह्व10=10

तृतीयप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) **प्राकृतम्** 50

सम्मई सुत्तं (आचार्य सिद्धसेन कृतम्) प्रथमकाण्ड

प्राप्ति स्थानम्- परमश्रुत प्रभावक मण्डलम् आगास

(ख) **जैनागमः** 50

नियमसारः (आचार्य कुन्दकुन्दकृतः) 101-185 गाथाः

प्राप्ति स्थानम्- परमश्रुत प्रभावक मण्डलम् आगास

अंक विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः पद्यव्याख्या	06	03	03ह्व06=18
लघूनिबन्धात्मकाः	04	02	02ह्व11=22
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः	10	05	05ह्व02=10
लघूत्तरात्मकाः गाथा व्याख्या	04	02	02ह्व10=20
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्व20=20

चतुर्थप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्क 100**

(क) **प्राकृतम्** **50**

अर्हत्प्रवचन (1 तः 5 अध्यायाः) पं. चैनसुखदास न्यायतीर्थ)

प्राकृतगद्यसोपान (डॉ. कमलचन्द सोगाणी)

(पाठ 11, 12, 13, 14, 15)

(ख) **जैनागमः** **50**

प्रवचनसारः (आचार्य कुन्दकुन्द कृतः) ज्ञेयाधिकारः

प्राप्ति स्थानम्–परमश्रुत प्रभावक मण्डलम्, आगास**अंक विभाजनम्**

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः शब्द व्याख्या	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मकाः गद्य पद्य व्याख्या	08	04	04ह्न06=24
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न16=16
(ख) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
अतिलघूत्तरात्मकाः शब्द व्याख्या	10	05	05ह्न02=10
लघूत्तरात्मकाः गद्यपद्य व्याख्या	08	04	04ह्न06=24
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न16=16

पञ्चमप्रश्नपत्रम् **पूर्णाङ्कः 100**

प्राकृतम् जैनागमश्च

1. प्राकृतभाषाणां वैशिष्ट्यम् (मागधी अर्द्धमागधी, शौरसेनी, महाराष्ट्री, पैशाची, अपभ्रंश)।
2. प्राकृत साहित्ये आचार्य परम्परा
3. प्राकृत काव्यसाहित्यस्य परम्परा

अङ्क विभाजनम्

(क) प्रश्नस्य प्रकारः	**विकल्पाः**	**समाधेयाः**	**अङ्काः**
लघूत्तरात्मकाः	20	10	10ह्न05=50
लघुनिबन्धात्मकाः	06	03	03ह्न10=30
निबन्धात्मकाः	02	01	01ह्न20=20

अथवा

लघुशोधप्रबन्धः

आचार्य प्रथम वर्ष 2014
आचार्य द्वितीय वर्ष 2014

वर्ण्यविषयः	आ. प्र.	आ. द्वि.
परीक्षा संबंधी सामान्य नियम	**1−6**	**1−6**
(क) अनिवार्य विषय (आचार्य प्रथम वर्ष के लिए)	7	
वैदिक साहित्य एवं तुलनात्मक भाषा विज्ञान	7	
(ख) अनिवार्य विषय (आचार्य द्वितीय वर्ष के लिए)		44
भारतीय धर्म एवं दर्शन		44
वेद वेदांग संकायः		
1. ऋग्वेद	8	45
2. शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः)	9	48
3. शुक्लयजुर्वेदः (काण्वशाखीयः)	10	50
4. कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः)	10	50
5. सामवेदः (कौथुमशाखीयः)	11	51
6. सामवेदः (जैमिनीयशाखीयः)	12	53
7. अथर्ववेदः	12	54
8. पौरोहित्यम्	14	56
9. वेदनैरुक्तप्रक्रिया	15	
10. वेदविज्ञानम्	15	58
11. गणितज्योतिषम्	16	59
12. सिद्धान्तज्योतिषम्	17	61
13. फलितज्योतिषम्	17	63
14. सामुद्रिकज्योतिषम्	19	65
15. वास्तुविज्ञानम्	20	66
16. धर्मशास्त्रम्	22	68
17. नव्यव्याकरणम्	23	70
18. प्राच्यव्याकरणम्	25	74

साहित्य–संस्कृतिसंकायः		
19. साहित्यम्	26	76
20. पुराणेतिहासः	27	79
21. प्राचीनराजनीतिशास्त्रम्	29	81
दर्शनसंकायः–		
22. सामान्यदर्शनम्	30	83
23. अद्वैतवेदान्तदर्शनम्	31	85
24. मीमांसादर्शनम्	31	86
25. न्यायदर्शनम्	32	87
26. निम्बार्कदर्शनम्	33	87
27. वल्लभदर्शनम्	34	89
28. रामानन्ददर्शनम्	35	89
29. रामानुजदर्शनम्	36	90
30. तुलनात्मक दर्शनम्	37	91
31. द्वैतवेदान्तः	39	93
श्रमणविद्यासंकाय		
32. जैनदर्शनम्	40	94
33. बौद्धदर्शनम्	41	96
34. प्राकृत–जैनागम एवं अपभ्रंशः	42	97

––––

जगद्गुरु-रामानन्दाचार्य-राजस्थान-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, जयपुरम्

पाठ्यक्रम

परीक्षा योजना अध्ययन बिन्दवश्च

आचार्यप्रथमवर्षपरीक्षा–2014

आचार्यद्वितीयवर्षपरीक्षा–2015

जगदीश संस्कृत पुस्तकालय

फ्रेन्चाईजी – मोतीलाल बनारसीदास, पब्लिशर्स, प्रा. लि.

भगवानदास मार्केट, तेलीपाडा वाली गली, चौडा रास्ता, जयपुर

फोन नं.– 0141–2562577, मो. नं.– 9602630675

jspjaipur@rediffmail.com, sharma.saurabh675@gmail.com

NOTICE

1. The ordinance governing the examination are contained in a reoperate booklet. The students are advised to refer to the same.

2. Changes in Statutes/Ordinances/Rules/Regulations/Syllabi and Books may, from time to time, be made by amendment or remaking and a candidated shall, except in so far as the University determines otherwise comply with any change that applies to years he has not completed at the time of change.

3. All court cases shall be subject to the jurisdiction of the Rajasthan Sanskrit University head-quarter at Jaipur only and not any other place.